VI गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थाएं

2017-18 एवं 2018-19 में अभी तक सशक्त ऋण विस्तार में रही तेजी की वजह से गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के समेकित तुलन पत्र में फैलाव हुआ है। गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) की लाभप्रदता में निधि आधारित आय, बैंकों की तुलना में एनपीए का कम स्तर एवं मजबूत पूंजी बफर की वजह से सुधार हुआ है। भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा चलनिधि प्रावधानों के माध्यम से आस्ति देयता विसंगतियों संबंधी हाल की चिंताओं का अग्र-सक्रिय रूप से समाधान किया गया है। वर्ष के दौरान सभी अखिल भारतीय वित्तीय संस्थानों (एआईएफआई) द्वारा प्रदत्त ऋण-संवितरणों में वृद्धि हुई, जिसमें सिडबी ने मुख्यत: एमएसएमई क्षेत्र को आगे ऋण देने के लिए अधिक पुनर्वित्त के माध्यम से सर्वाधिक वृद्धि दर्ज की।

1. परिचय

VI.1 गैर बैंकिंग वित्तीय संस्थानों (एनबीएफआई) में वित्तीय मध्यस्थों के विविधतापूर्ण समूह शामिल हैं। भारतीय रिज़र्व बैंक की विनियामक परिधि के अंतर्गत अखिल भारतीय वित्तीय संस्थान (एआईएफआई), गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी)[1] एवं प्राथमिक डीलर (पीडी) शामिल हैं (चार्ट VI.1)। अखिल भारतीय वित्तीय संस्थान (एआईएफआई) विकास आयोजना अवधि के दौरान निम्नलिखित विशिष्ट क्षेत्रों यथा i) कृषि एवं ग्रामीण विकास ii) व्यापार iii) लघु उद्योग iv) आवास को दीर्घावधिक वित्त/ पुनर्वित्त प्रदान करने हेतु स्थापित किए गए शीर्षस्थ संस्थान हैं। एनबीएफसी में संयुक्त स्टॉक कंपनियों का वर्चस्व है, जो व्यक्तिगत ऋणों से लेकर इन्फ्रास्ट्रक्चर के विशिष्ट क्षेत्रों के वित्तपोषण का कार्य करती हैं। पीडी सरकारी प्रतिभूतियों के लिए बाजार निर्माताओं के रूप

चार्ट VI.1: रिज़र्व बैंक के विनियमन के अंतर्गत एनबीएफआई की संरचना
(सितंबर 2018 के अंत में)

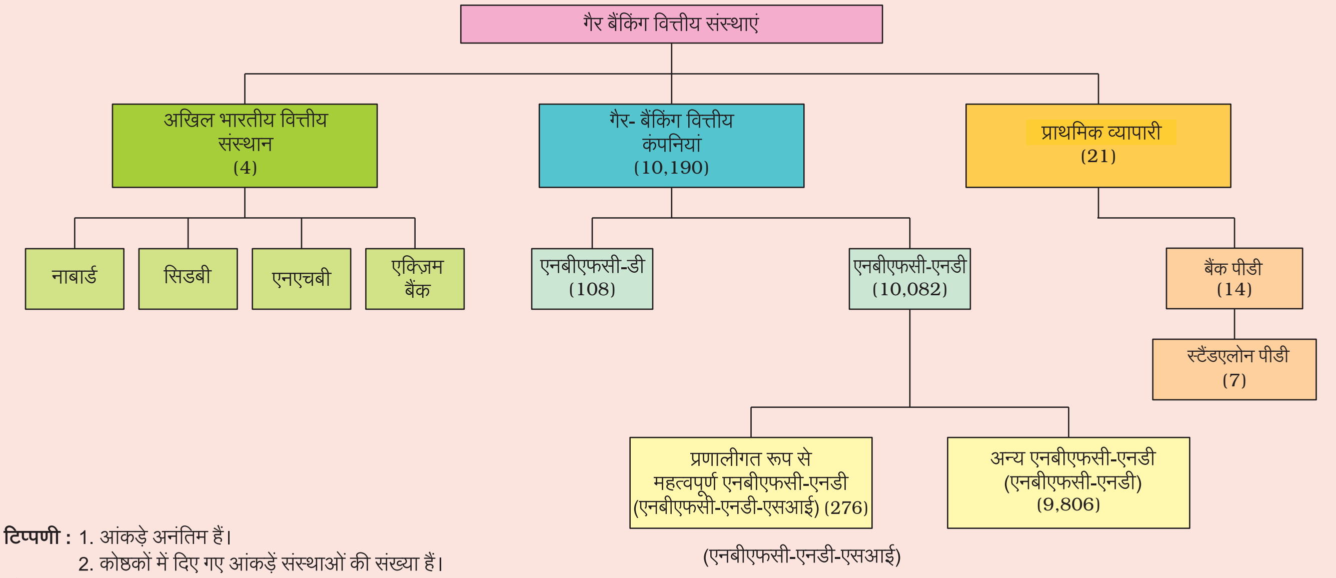

टिप्पणी : 1. आंकड़े अनंतिम हैं।
2. कोष्ठकों में दिए गए आंकड़ें संस्थाओं की संख्या हैं।
स्रोत : आरबीआई।

[1] यद्यपि आवास वित्त कंपनियां, व्यापारी बैंकिंग कंपनियां, शेयर बाजार, स्टॉक ब्रोकिंग/सब-ब्रोकिंग का कारोबार करने वाली कंपनियां, जोखिम पूंजी निधि कंपनियां, निधि कंपनियां, बीमा कंपनियां और चिट फंड कंपनियां भी एनबीएफसी हैं, फिर भी उन्हें भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 45-आईए के अंतर्गत रिज़र्व बैंक के साथ पंजीकरण की आवश्यकता से छूट दी गई है।

में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। 2017-18 में भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा विनियमित एनबीएफआई क्षेत्र में 15.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई; मार्च 2018 के अंत तक, यह अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) के तुलन-पत्र के आकार की तुलना में 19.8 प्रतिशत रही। एनबीएफआई क्षेत्र के भीतर, एआईएफआई के पास कुल आस्तियों का 23 प्रतिशत भाग था, जबकि एनबीएफसी का 75 प्रतिशत एवं एकल (स्टैंडएलोन) पीडी का 2 प्रतिशत योगदान रहा।

VI.2 इस पृष्ठभूमि में, यह अध्याय 2017-18 एवं अप्रैल-सितंबर, 2018 के दौरान एनबीएफआई के वित्तीय निष्पादन का विश्लेषण प्रस्तुत करता है। इस अध्याय के शेष हिस्से को चार भागों में निरूपित किया गया है। भाग 2 एनबीएफसी क्षेत्र-जमाराशि ग्रहण न करने वाली प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण एनबीएफसी (एनबीएफसी- एनडी- एसआई) एवं जमाराशि ग्रहण करने वाली एनबीएफसी (एनबीएफसी- डी) का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत करता है। राष्ट्रीय आवास बैंक (एनएचबी) की विनियामक परिधि में आने वाली आवास वित्त कंपनियों (एचएफसी) की गतिविधियों को भी इस भाग में शामिल किया गया है। भाग 3 में एआईएफआई के कार्य निष्पादन पर चर्चा की गई है, जिसके बाद, भाग 4 में प्राथमिक व्यापारियों की भूमिका का मूल्यांकन किया गया है। भाग 5 में समग्र आकलन एवं नीतिगत दृष्टिकोण के साथ उपसंहार दिया गया है।

2. गैर- बैंकिंग वित्तीय कंपनियां

VI.3 एनबीएफसी को ए) उनकी देयता संरचनाओं बी) उनके द्वारा निष्पादित की जाने वाली गतिविधियों एवं सी) उनके प्रणालीगत महत्व के आधार पर वर्गीकृत किया गया गया है। प्रथम श्रेणी की एनबीएफसी को आगे भी दो श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है - जमाराशियां लेने वाली एनबीएफसी (एनबीएफसी-डी) - जो जनता से जमाराशियां स्वीकार और धारित करने हेतु प्राधिकृत हैं - एवं जमाराशि न ग्रहण करने वाली एनबीएफसी (एनबीएफसी-एनडी) -जो जनता से जमाराशियां स्वीकार नहीं करती हैं लेकिन बाजार और बैंकों से ऋण जुटाती हैं। एनबीएफसी-एनडी के बीच जो ₹5 बिलियन या उससे अधिक आस्ति आकार वाली हैं, उन्हें जमाराशि न ग्रहण करने वाली प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण एनबीएफसी (एनबीएफसी- एनडी- एसआई) के रूप में वर्गीकृत किया गया है। मार्च 2018 के अंत के 168 एनबीएफसी- डी एवं 230 एनबीएफसी- एनडी- एसआई की तुलना में सितंबर 2018 के अंत में इनकी संख्या क्रमश: 108 एवं 276 रही।

VI.4 वर्ष 1997 से, रिज़र्व बैंक द्वारा जमाकर्ताओं के हितों की सुरक्षा के उद्देश्य से एनबीएफसी- डी के परिचालनों एवं वृद्धि को सीमित करने के प्रयास किए गए हैं। इस कार्यनीति को, इस तथ्य को समझते हुए अपनाया गया था कि ये जमाराशियां निक्षेप बीमा और प्रत्यय गारंटी निगम (डीआईसीजीसी) में शामिल नहीं हैं। एनबीएफसी- डी को जनता से केवल 12 से 60 माह की अवधि हेतु 12.5 प्रतिशत ब्याज दर की अधिकतम सीमा के साथ सावधि जमा स्वीकार करने की अनुमति है।

VI.5 एनबीएफसी को गतिविधियों के आधार पर भी वर्गीकृत किया जा सकता है क्योंकि वे सामान्यत: विशिष्ट क्षेत्रों में ध्यान केंद्रित करती हैं एवं क्षेत्र की विनिर्दिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करती हैं। अतएव, उनके विविध व्यापार मॉडलों को विनियामक अभिशासन के उपयुक्त अधिमिश्रण की आवश्यकता होती है। वर्ष 2010 तक, एनबीएफसी क्षेत्र को पांच श्रेणियों, यथा आस्ति वित्त कंपनियों, ऋण कंपनियों, अवशिष्ट गैर- बैंकिंग कंपनियों, निवेश कंपनियों एवं बंधक गारंटी कंपनियों में विभाजित किया गया था। तत्पश्चात, एनबीएफसी के कार्यक्षेत्र में नई प्रकार की गतिविधियों को शामिल किया गया है। सितंबर 2018 के अंत में एनबीएफसी के 12 गतिविधि-आधारित वर्गीकरण थे (सारणी VI.1)।

VI.6 सितंबर 2018 के अंत में, भारतीय रिज़र्व बैंक के पास पंजीकृत एनबीएफसी की संख्या मार्च 2018 के अंत में 11,402 से घटकर 10,190 हो गई। एनबीएफसी के पास न्यूनतम ₹20 मिलियन की निवल स्वाधिकृत निधि (एनओएफ) होना आवश्यक है। विनियामक दिशानिर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए एक अग्रसक्रिय उपाय के रूप में भारतीय रिज़र्व बैंक ने इस मानदंड को पूर्ण न करने वाली एनबीएफसी के पंजीयन प्रमाणपत्रों (सीओआर) को रद्द कर दिया। हाल के वर्षों में एनबीएफसी के पंजीयन प्रमाण-पत्रों (सीओआर) के

सारणी VI.1: गतिविधि के आधार पर एनबीएफसी का वर्गीकरण

एनबीएफसी के प्रकार	गतिविधि
1. आस्ति वित्त कंपनी (एएफसी)	ऑटोमोबाइल, ट्रैक्टर्स एवं जनरेटर सहित भौतिक संपत्तियों का वित्तपोषण।
2. ऋण कंपनी	ऋण वित्त का प्रावधान।
3. निवेश कंपनी	बिक्री के उद्देश्य से प्रतिभूतियों को अर्जित करना।
4. एनबीएफसी-इन्फ्रास्ट्रक्चर वित्त कंपनी (एनबीएफसी- आईएफसी)	इन्फ्रास्ट्रक्चर ऋणों का प्रावधान।
5. एनबीएफसी-प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण कोर निवेश कंपनी (सीआईसी- एनडी- एसआई)	समूह कंपनियों में निवेश करना और उन्हें ऋण प्रदान करना।
6. एनबीएफसी- इन्फ्रास्ट्रक्चर कर्ज निधि (आईडीएफ- एनबीएफसी)	इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं में दीर्घकालिक ऋण के प्रवाह को सुगम बनाना।
7. एनबीएफसी- सूक्ष्म वित्त संस्थान(एनबीएफसी –एमएफआई)	आर्थिक रूप से वंचित समूहों को ऋण देना।
8. एनबीएफसी- फैक्टर	समनुदेशक की प्राप्तियां अर्जित करना या छूट पर प्रतिभूति-हित के सापेक्ष ऋण प्रदान करना।
9. एनबीएफसी- निष्क्रिय वित्तीय होल्डिंग कंपनी (एनओएफएचसी)	प्रमोटरों/ प्रमोटर समूहों को नया बैंक स्थापित करने की सुविधा प्रदान करना।
10. बंधक गारंटी कंपनी (एमजीसी)	बंधक गारंटी व्यवसाय करना।
11. एनबीएफसी- खाता समूहक (एनबीएफसी-एए)	ग्राहक की वित्तीय आस्तियों के बारे में समेकित, संगठित और पुन:प्राप्ति योग्य तरीके से जानकारी एकत्रित करना और ग्राहक या ग्राहक द्वारा विनिर्दिष्ट किसी अन्य को वह जानकारी प्रदान करना।
12. एनबीएफसी– समकक्षीय उधार प्लेटफॉर्म (एनबीएफसी- पी 2 पी)	धन जुटाने में सहायता करने हेतु ऋणदाताओं और उधारकर्ताओं को एक साथ लाने के लिए ऑनलाइन मंच प्रदान करना।

स्रोत : आरबीआई।

निरसन की संख्या नए पंजीकरणों की संख्या से अधिक हो गई है[2] (चार्ट VI.2)।

2.1 स्वामित्व पैटर्न

VI.7 एनबीएफसी क्षेत्र की कुल आस्तियों में एनबीएफसी- एनडी- एसआई का भाग 84.8 प्रतिशत है। एनबीएफसी- एनडी- एसआई क्षेत्र के भीतर, सरकारी स्वामित्व वाली एनबीएफसी एक तिहाई से अधिक आस्तियां धारण करती हैं, जो उनके प्रणालीगत महत्व को दर्शाता है (सारणी VI.2)। वर्ष 2017-18 के दौरान, सरकार के स्वामित्व वाली जमाराशि लेने वाली और जमाराशि न लेने वाली, दोनों प्रकार की एनबीएफसी की विनियामक अपेक्षाओं को चरणबद्ध रूप से अन्य एनबीएफसी के साथ संरेखित किया गया (अध्याय III में विवरण उपलब्ध है)।

चार्ट VI.2: एनबीएफसी के सीओआर के पंजीयन और निरसन की संख्या

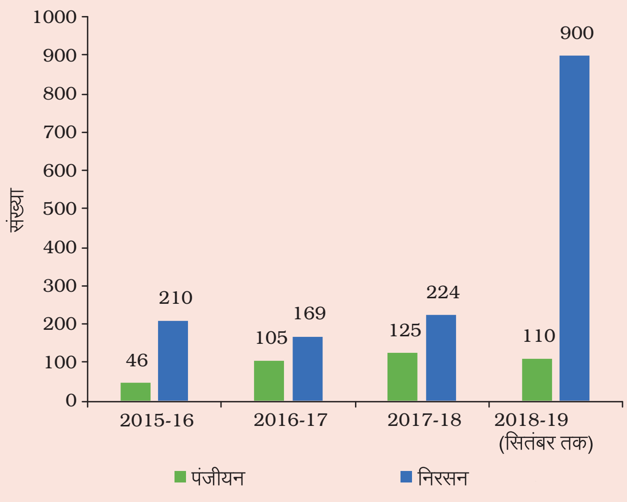

टिप्पणी : आंकड़े अनंतिम हैं।
स्रोत : पर्यवेक्षी विवरणियां, आरबीआई।

VI.8 एनबीएफसी- डी के पास मार्च 2018 के अंत में एनबीएफसी की कुल आस्तियों का 15.2 प्रतिशत एवं संवितरित कुल ऋण का 17.6 प्रतिशत हिस्सा था। इस क्षेत्र में गैर- सरकारी कंपनियों का प्रभुत्व रहा, जिनका एनबीएफसी- डी की कुल आस्तियों में 87.5 प्रतिशत हिस्सा था। प्राइवेट लिमिटेड एनबीएफसी- एनडी- एसआई, जिसमें 98 कंपनियों ने कुल आस्तियों के 16.1 प्रतिशत का योगदान दिया, के विपरीत चार प्राइवेट लिमिटेड एनबीएफसी- डी ने कुल आस्तियों के 21.9 प्रतिशत का योगदान दिया, जो आस्तियों के संकेंद्रण को दर्शाता है (सारणी VI.2)।

[2] मार्च 2016 से 1,293 एनबीएफसी सीओआर रद्द किए गए हैं।

सारणी VI.2: एनबीएफसी के स्वामित्व का स्वरूप

(मार्च 2018 के अंत में)

(राशि ₹ बिलियन में)

प्रकार	एनबीएफसी- एनडी- एसआई				एनबीएफसी- डी			
	कंपनियों की संख्या	आस्ति आकार	हिस्सा प्रतिशत में		कंपनियों की संख्या	आस्ति आकार	हिस्सा प्रतिशत में	
			संख्या	आस्ति आकार			संख्या	आस्ति आकार
1	2	3	4	5	6	7	8	9
ए. सरकारी कंपनियां	29	6,858	12.6	35.5	8	432	4.8	12.5
बी. गैर-सरकारी कंपनियां (1+2)	201	12,442	87.4	64.5	160	3,028	95.2	87.5
1. पब्लिक लिमिटेड कंपनियां	103	9,332	44.8	48.4	156	2,271	92.9	65.6
2. प्राइवेट लिमिटेड कंपनियां	98	3,110	42.6	16.1	4	757	2.4	21.9
कुल (ए+बी)	**230**	**19,300**	**100.0**	**100.0**	**168**	**3,460**	**100.0**	**100.0**

टिप्पणी : आंकड़े अनंतिम हैं।
स्रोत : पर्यवेक्षी विवरणियां, आरबीआई।

2.2 तुलन पत्र

VI.9 वर्ष 2017-18 और 2018-19 (सितंबर तक) में एनबीएफसी- एनडी- एसआई में मजबूत ऋण विस्तार के कारण समेकित तुलन-पत्र में फैलाव हुआ। श्रेणीवार रूप से एनबीएफसी-एनडी- एसआई के तुलनपत्र में 13.4 प्रतिशत वृद्धि हुई है, जबकि ऋणों एवं अग्रिमों में तीव्र वृद्धि के कारण वर्ष 2017-18 में एनबीएफसी-डी तुलन-पत्र में 24.4 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई (सारणी VI.3) (परिशिष्ट सारणी VI.1 एवं VI.2)।

सारणी VI.3: एनबीएफसी का संक्षिप्त तुलन पत्र

(राशि ₹ बिलियन में)

मदें	मार्च 2017 के अंत में			मार्च 2018 के अंत में			सितंबर 2018 के अंत में		
	एनबीएफसी	एनबीएफसी-एनडी-एसआई	एनबीएफसी-डी	एनबीएफसी	एनबीएफसी-एनडी-एसआई	एनबीएफसी-डी	एनबीएफसी	एनबीएफसी-एनडी-एसआई	एनबीएफसी-डी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1. शेयर पूंजी एवं आरक्षित निधि	4,527	4,104	423	5,153	4,590	563	5,595	4,997	598
	(19.0)	(19.8)	(11.9)	(13.8)	(11.8)	(33.1)	(15.1)	(13.5)	(30.0)
2. सार्वजनिक जमाराशियां	306	-	306	319	-	319	326	-	326
	(12.9)	-	(12.9)	(4.2)	-	(4.2)	(12.0)	-	(12.0)
3. डिबेंचर्स	6,481	5,813	668	7,155	6,321	834	7,551	6,681	870
	(20.2)	(19.7)	(23.9)	(10.4)	(8.7)	(24.9)	(-0.4)	(-2.1)	(14.9)
4. बैंक उधारियां	3,134	2,520	614	4,039	3,319	720	4,936	4,108	828
	(-7.2)	(-7.2)	(-7.0)	(28.9)	(31.7)	(17.3)	(49.3)	(52.8)	(34.2)
5. वाणिज्यिक पत्र	1,291	1,143	148	1,406	1,224	182	1,816	1,525	291
	(51.2)	(45.1)	(124.2)	(8.9)	(7.1)	(23.0)	(19.7)	(13.0)	(74.3)
6. अन्य	4,058	3,436	622	4,688	3,846	842	5,795	4,909	886
	(14.8)	(12.7)	(28.0)	(15.5)	(11.9)	(35.4)	(25.0)	(26.1)	(19.2)
कुल देयताएं	**19,798**	**17,017**	**2,781**	**22,760**	**19,300**	**3,460**	**26,019**	**22,220**	**3,799**
	(14.9)	(14.7)	(15.9)	(15.0)	(13.4)	(24.4)	(17.2)	(16.0)	(25.2)
1. ऋण एवं अग्रिम	14,800	12,347	2,453	17,643	14,533	3,110	19,842	16,427	3,415
	(12.8)	(12.2)	(15.8)	(19.2)	(17.7)	(26.8)	(16.3)	(14.4)	(26.1)
2. निवेश	2,759	2,628	131	3,011	2,880	131	3,352	3,186	166
	(21.9)	(21.0)	(42.4)	(9.1)	(9.6)	(0.0)	(14.1)	(12.8)	(48.2)
3. नकद एवं बैंक जमा शेष	796	700	96	649	553	96	848	747	101
	(36.1)	(44.3)	(-4.0)	(-18.5)	(-21.0)	(0.0)	(27.5)	(31.3)	(5.2)
4. अन्य चालू आस्तियां	1,106	1,021	85	1,168	1,064	104	1,639	1,537	102
	(8.0)	(7.2)	(18.1)	(5.6)	(4.2)	(22.4)	(30.1)	(32.7)	(0.0)
5. अन्य आस्तियां	336	321	15	288	270	18	337	323	14
	(40.0)	(43.9)	(-11.8)	(-14.3)	(-15.9)	(20.0)	(26.2)	(28.7)	(-12.5)

टिप्पणी : 1. आंकड़े अनंतिम हैं।
2. कोष्ठक में प्रदत्त आंकड़े प्रतिशत में वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि दर्शाते हैं।
स्रोत : पर्यवेक्षी विवरणियां, आरबीआई।

VI.10 हाल के वर्षों में एससीबी की धीमी ऋण संवृद्धि, चलनिधि की आसानी तथा एससीबी की तुलना में उनकी ब्याज-दरों के बेहतर संचरण की पृष्ठभूमि में ऋण कंपनियों (एलसी) ने अपने ऋण पोर्टफोलियो को कई गुना बढ़ाया (बॉक्स VI.1)। इस प्रवृत्ति को जारी रखते हुए वर्ष 2017-18 एवं 2018-19 (सितंबर तक) में एलसी द्वारा स्वस्थ गति

बॉक्स VI.1: क्या चीजें एनबीएफसी के मजबूत ऋण वृद्धि की व्याख्या करती हैं ?

वर्तमान में ऋणों में एनबीएफसी के हिस्से में आई तेज वृद्धि के अनुभाविक कारणों का पता लगाने के लिए एससीबी की तुलना में एनबीएफसी की ऋण वृद्धि को बढ़ाने वाले चार प्रमुख निर्धारकों: एनबीएफसी एवं एससीबी के बीच उधार दर स्प्रैड; एससीबी की ऋण संवृद्धि; एनबीएफसी की आस्ति गुणवत्ता एवं चलनिधि स्थितियों की जांच की गई। इसके अतिरिक्त, वास्तविक क्षेत्र के परिवर्ती कारकों, जैसे सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) एवं औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) को प्रचक्रीकरण के नियंत्रण विनिर्देश में बारी-बारी से प्रस्तुत किया गया है। जीडीपी एवं अन्य कारकों को शामिल करने से उत्पन्न होने वाली संभाव्य इंडोजीनिटी से निपटने के लिए पैनल जनरलाइज्ड मेथड ऑफ मोमेंट्स (जीएमएम) फ्रेमवर्क का प्रयोग किया जाता है। 76 ऋण कंपनियों[3] पर दिसंबर 2015 से मार्च 2018 की अवधि के पर्यवेक्षी आंकड़ों का प्रयोग निम्नलिखित समीकरण का अनुमान लगाने हेतु किया गया, जिसके परिणाम सारणी 1 में प्रस्तुत किए गए हैं।

$$\textit{Credit Growth Loan NBFC}_{ijt} = \textit{Ln WAL Rspread}_{ijt-1} - \textit{GNPA loan NBFCs}_{ijt-1} - \textit{Credit growth SCBs}_{t} + \textit{Net LAF}_{t} - \varepsilon_{ijt}$$

प्राप्त परिणाम एनबीएफसी के उधार संबंधी व्यवहार पर अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं, जो शैली के तथ्यों के अनुरूप प्रतीत होते हैं। ऋण संवृद्धि और चलनिधि स्थितियों के बीच सांख्यिकीय दृष्टि से महत्वपूर्ण संबंध - जिसका प्रतिनिधित्व डमी निवल चलनिधि समायोजन सुविधा (एलएएफ)

सारणी 1 : ऋणदाता कंपनियों द्वारा दिए जाने वाले ऋण में वृद्धि

व्याख्यात्मक चर	आश्रित चर : सकल अग्रिमों की वृद्धि का लॉग (एलएनजीआरओएसएस_एडवांसेज_जी)					
	1	2	3	4	5	6
एलएनडब्लूएएलआर_स्प्रेड (-1)	-0.088*** (0.0058)					
जी_एससीबी_क्रेडिट	-0.077*** (0.015)	-0.257*** (0.014)				
जीएनपीए_अनुपात (-1)	-0.018*** (0.0006)	-0.035*** (0.0002)	-0.004*** (0.0003)	-0.007*** (0.0007)	-0.031*** (0.0005)	-0.031*** (0.0005)
डब्लूएएलआर_स्प्रेड (-1)		-0.007*** (0.011)	-0.007*** (0.0011)	-0.006*** (0.0011)	-0.002*** (0.0007	-0.002*** (0.0006)
नेट_एलएएफ (-1)		0.499*** (0.139)				
एससीबी_ रिटेल_ जी (-1)			-0.328*** (0.0007)	-0.354*** (0.0018)		
नेट_एलएएफ				0.960*** (0.1148)	1.319*** (0.5086)	2.001*** (0.4963)
जी_रिअल-जीडीपी					0.763*** (0.0848)	
जी_आईआईपी						0.448*** (0.0357)
सारगन सांख्यिकी	0.31	0.44	0.43	0.54	0.35	0.34
सभी खंडों में (क्रॉस सेक्शन्स)	60	69	69	69	69	69
प्रेक्षण	257	320	252	252	320	320

***: पी<0.01; **: पी<0.05; *: पी<0.10।

टिप्पणी : एलएनडब्लूएएलआर_स्प्रेड : बैंकों और एनबीएफसी के डब्लूएएलआर के बीच के स्प्रेड का लॉग; जी_एससीबी_क्रेडिट : एससीबी के ऋण में वृद्धि; जीएनपीए_अनुपात : ऋण देने वाली कंपनियों का जीएनपीए अनुपात; नेट एलएएफ : चलनिधि परिस्थितियों की अधिशेष/कमी वाली चलनिधि परिस्थितियों से संबंधित डमी; एससीबी_रिटेल_जी : एससीबी के खुदरा ऋणों में वृद्धि; जी_रिअल जीडीपी : वास्तविक जीडीपी में वृद्धि; जी_आईआईपी : आईआईपी में वृद्धि

(जारी...)

[3] यह विश्लेषण ऋण कंपनियों पर तीन कारणों से केंद्रित है: ए) ऋण कंपनियां एनबीएफसी-एनडी-एसआई क्षेत्र के सबसे बड़े घटकों में से एक हैं, जिनकी ऋण में हिस्सेदारी 38.5 प्रतिशत है; बी) वाणिज्यिक स्थावर संपदा, उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं और वाहन ऋण के लिए एससीबी और एलसी द्वारा दिए गए क्रेडिट में, एससीबी की हिस्सेदारी दिसंबर 2015 के 88.1 प्रतिशत के स्तर से घटकर मार्च 2018 में 74.6 प्रतिशत के स्तर पर आ गई। यह गिरावट ऋण कंपनियों की हिस्सेदारी के 11.9 प्रतिशत से बढ़कर 25.4 प्रतिशत हो जाने से पूर्णत: स्पष्ट हो जाती है सी) ऋण कंपनियों और एससीबी का व्यवसाय मॉडल समान है और समान ग्राहक वर्ग, विशेष रूप से खुदरा ऋण खंड को, आकर्षित करने की होड़ मची हुई है।

करता है, ये दर्शाते हैं कि एनबीएफसी आस्ति देयता विसंगतियों (एएलएम) के प्रबंधन हेतु थोक वित्तपोषण बाज़ारों में अंतरालों को कवर करके अप्रतिरोधी /निष्क्रिय कार्यनीति का संचालन करते हैं, जिससे वे चलनिधि जोखिमों के प्रति संवेदनशील हो जाते हैं। बैंक ऋण दरों पर एनबीएफसी ऋण दर के स्प्रैड हेतु अपेक्षित ऋणात्मक संकेत वाला सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण गुणांक बताता है कि एससीबी की तुलना में उनकी ब्याज दरों में तेज गिरावट ने एनबीएफसी की ऋण संवृद्धि में सहायता की। चलनिधि स्थितियों के अतिरिक्त, सकल मांग एनबीएफसी उधारों से मजबूती से जुड़ी हुई है, जो प्र-चक्रीयता, और प्रति-चक्रीय पूंजी बफर की आवश्यकता को दर्शाती है। ऋण-चुकौती में विलंब से अपेक्षित नकारात्मक संकेत मिलते हैं, यद्यपि डेटा का आईबॉलिंग यह दर्शाता है कि ऋण की क्षति अपेक्षाकृत कम है (चार्ट 1)। अध्ययन की अवधि के दौरान एससीबी ऋण-संवृद्धि में गिरावट होने के कारण ऋण कंपनियों को प्रोत्साहन मिला, क्योंकि प्रतिस्थापन प्रभावों ने अनुकूल स्थितियां उपलब्ध कराईं। यह विशेष रूप से उनके द्वारा वाणिज्यिक स्थावर संपदा, उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं और वाहन ऋणों को उधार देने संबंध में सही था (चार्ट 2)। विनिर्देश परिवर्तनों के लिए ये परिणाम सुदृढ़ पाए गए।

चार्ट 1: एनबीएफसी और एससीबी के एनपीए अनुपात

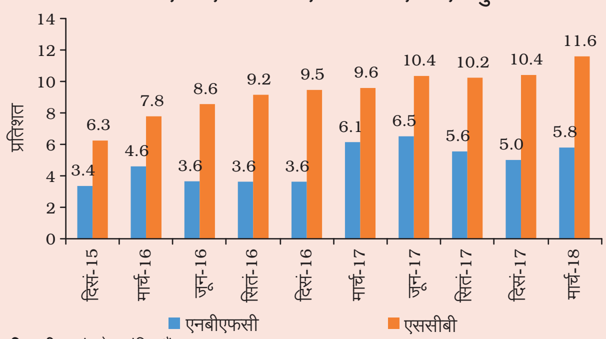

टिप्पणी : आंकड़े अनंतिम हैं।
स्रोत : एनबीएफसी एवं डीबीआईई के लिए व्यापारिक उद्देश्य का डेटाबेस और एससीबी के लिए आरबीआई।

चार्ट 2: एससीबी और एलसी की वाणिज्यिक स्थावर संपदा, उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं और वाहन ऋण

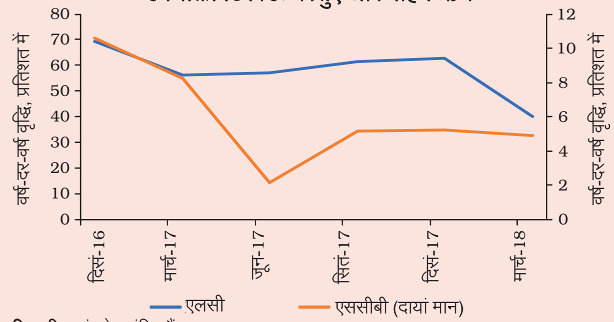

टिप्पणी : आंकड़े अनंतिम हैं।
स्रोत : एनबीएफसी एवं डीबीआईई के लिए व्यापारिक उद्देश्य का डेटाबेस और एससीबी के लिए आरबीआई।

अंत में, अनुभवजन्य निष्कर्ष यह बताते हैं कि एससीबी ऋण में गिरावट आई , बैंकों की तुलना में एनबीएफसी की उधार लागतों में अपेक्षाकृत कमी आई तथा सकल मांग में हुई वृद्धि के कारण एनबीएफसी ऋणों के तीव्र विस्तार में सहायता मिली।

संदर्भ

बेर्नंके, बी.एस., एवं ए.एस. ब्लिंदर (1992): 'दि फेडरल फंड रेट एंड दि चैनल्स ऑफ मॉनिटरी ट्रांसमिशन', *अमेरिकन इकोनोमिक रिव्यू*, खंड 82, 901-921।

कालज़ा, ए., गार्टनर, सी. एंड जे. सौसा (2001) : 'मॉडलिंग दि डिमांड फॉर लोन्स टु दि प्राइवेट सेक्टर इन दि यूरो एरिया'। *ईसीबी वर्किंग पेपर सीरीज क्र. 55*, अप्रैल।

गुओ, के. एंड वी. स्टेपन्यान (2011) : 'डिटरमिनेंट्स ऑफ बैंक क्रेडिट इन इमरजिंग मार्केट इकोनॉमीज', *आईएमएफ वर्किंग पेपर सीरीज क्र. 11/51*, मार्च।

इवानोविक, एम (2016) 'डिटरमिनेंट्स ऑफ क्रेडिट ग्रोथ: दि केस ऑफ मोंटेंग्रो', *जर्नल ऑफ सेंट्रल बैंक थ्योरी एंड प्रेक्टिस*, खंड 2, पीपी. 101-118।

से वृद्धि जारी रही। इन्फ्रास्ट्रक्चर फाइनैंस कंपनियों (एनबीएफसी-आईएफसी), जो एनबीएफसी- एनडी- एसआई की अन्य मुख्य श्रेणी है, के तुलन पत्र में उद्योगों को दिए जाने वाले ऋणों एवं अग्रिमों में बढ़ोतरी के कारण वर्ष 2017-18 एवं 2018-19 (सितंबर तक) में अब तक उच्च दर से वृद्धि हुई है। दूसरी ओर, कुछ बड़े बैंकों को लघु वित्त बैंकों में परिवर्तित करने की वजह से एनबीएफसी- सूक्ष्म वित्त संस्थाओं (एनबीएफसी- एमएफआई) के तुलन पत्र संकुचित हुए हैं।

VI.11 ऋण एवं अग्रिम, जिनका एनबीएफसी- एनडी- एसआई की कुल आस्तियों में तीन- चौथाई हिस्सा है, में 2017-18 एवं 2018-19 (सितंबर तक) में तीव्र संवृद्धि हुई है (सारणी VI.4)। हालांकि खुदरा एवं सेवा क्षेत्र इसके प्रमुख वाहक रहे, किंतु मध्यम व बड़े उद्योगों को दिए ऋणों के कारण भी उनकी ऋण बहियों में विस्तार हुआ। वर्ष 2017-18 एवं 2018-19 (सितंबर तक) में इन संस्थाओं की अधिक सक्रिय भूमिका का श्रेय विनिर्माण एवं सेवा गतिविधियों में आई बहाली के कारण ऋण की मांग में सुधार के साथ ही मजबूत उपभोग मांग एवं

सारणी VI.4: एनबीएफसी के वर्गीकरण द्वारा एनबीएफसी- एनडी- एसआई की देयताओं और आस्तियों के प्रमुख घटक

(राशि ₹ बिलियन में)

श्रेणी/देयता	मार्च 2017 के अंत में			मार्च 2018 के अंत में पी			सितंबर 2018 के अंत में पी			कुल देयताओं में प्रतिशत घट- बढ (मार्च 2017 की तुलना में मार्च-18)	कुल देयताओं में प्रतिशत घट- बढ (सितं.2017 की तुलना में सितं.-18)
	उधारियां	अन्य देयताएं	कुल देयताएं	उधारियां	अन्य देयताएं	कुल देयताएं	उधारियां	अन्य देयताएं	कुल देयताएं		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
आस्ति वित्त कंपनी	1,026	283	1,309	1,179	267	1,446	1,485	519	2,004	10.5	32.3
कोर निवेश कंपनी	246	510	756	363	625	988	182	600	782	30.8	-17.9
फैक्टरिंग- एनबीएफसी	15	13	28	18	20	38	18	20	38	37.7	10.5
आईडीएफ- एनबीएफसी	95	25	120	175	32	206	198	34	232	72.0	39.8
इंफ्रास्ट्रक्चर वित्त कंपनी	5,160	1,637	6,797	5,497	1,958	7,455	6,838	1,712	8,549	9.7	19.4
निवेश कंपनी	955	1,118	2,073	1,095	1,278	2,373	1,441	1,349	2,790	14.5	10.4
ऋण कंपनी	4,064	1,329	5,393	5,012	1,271	6,283	5,245	2,119	7,364	16.5	17.6
एनबीएफसी- एमएफआई	390	152	542	354	158	512	309	151	460	-5.6	-15.3
कुल	**11,951**	**5,066**	**17,017**	**13,692**	**5,609**	**19,300**	**15,716**	**6,504**	**22,220**	**13.4**	**16.0**
श्रेणी/देयता	ऋण और अग्रिम	अन्य देयताएं	कुल देयताएं	ऋण और अग्रिम	अन्य देयताएं	कुल देयताएं	ऋण और अग्रिम	अन्य देयताएं	कुल देयताएं	कुल आस्तिओं में प्रतिशत घट- बढ (मार्च 2017 की तुलना में मार्च-18)	कुल आस्तिओं में प्रतिशत घट- बढ (सितं.2017 की तुलना में सितं.-18)
आस्ति वित्त कंपनी	1,026	283	1,309	1,195	251	1,446	1778	226	2,004	10.5	32.3
कोर निवेश कंपनी	123	632	756	140	848	988	69	713	782	30.8	-17.9
फैक्टरिंग- एनबीएफसी	25	3	28	30	8	38	31	7	38	37.7	10.5
आईडीएफ- एनबीएफसी	81	39	120	102	104	206	174	58	232	72.0	39.8
इंफ्रास्ट्रक्चर वित्त कंपनी	6,051	746	6,797	6,966	488	7,455	7,323	1,227	8,549	9.7	19.4
निवेश कंपनी	353	1,720	2,073	514	1,859	2,373	673	2,117	2,790	14.5	10.4
ऋण कंपनी	4,286	1,107	5,393	5,172	1,111	6,283	5,992	1,373	7,364	16.5	17.6
एनबीएफसी- एमएफआई	402	141	542	414	97	512	388	72	460	-5.6	-15.3
कुल	**12,346**	**4,670**	**17,017**	**14,533**	**4,767**	**19,300**	**16,427**	**5,793**	**22,220**	**13.4**	**16.0**

टिप्पणी : आंकड़े अनंतिम हैं।

स्रोत : पर्यवेक्षी विवरणियां, आरबीआई।

इक्विटी बाजार के उत्साहहीन कार्यनिष्पादन को दिया जा सकता है।

VI.12 एनबीएफसी- डी में, आस्ति वित्त कंपनियों (एएफसी) के तुलन-पत्र में सरकारी स्वामित्व वाले एनबीएफसी द्वारा संग्रहित जमाराशियों को शामिल करने के कारण वृद्धि हुई। दूसरी ओर, ऋण कंपनियों (एलसी) की जमा संवृद्धि में वर्ष 2017-18 में 26.4 प्रतिशत एवं वित्त वर्ष 2018-19 में (सितंबर तक) 9.9 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि उधारियों में तेज गति से वृद्धि हुई। ऋण, जिसका एनबीएफसी- डी की कुल आस्तियों में 89.9 प्रतिशत हिस्सा है, ने मजबूत वृद्धि दर्शाई (सारणी VI.5)।

2.3 *एनबीएफसी के क्षेत्रीय ऋण*

VI.13 एनबीएफसी द्वारा प्रदत्त कुल ऋणों में आधे से अधिक ऋण उद्योग क्षेत्र में दिए गए हैं, जिसके बाद खुदरा, सेवा एवं कृषि क्षेत्र आते हैं। उद्योग क्षेत्र को दिए गए ऋण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा सरकारी स्वामित्व वाली एनबीएफसी,

सारणी VI.5: एनबीएफसी के वर्गीकरण द्वारा एनबीएफसी- डी की देयताओं और आस्तियों के प्रमुख घटक

(राशि ₹ बिलियन में)

मदें	आस्ति वित्त कंपनियां			ऋण कंपनियां			कुल – एनबीएफसी- डी		
	मार्च 2017 के अंत में	मार्च 2018 के अंत में	सितं.2018 के अंत में	मार्च 2017 के अंत में	मार्च 2018 के अंत में	सितं.2018 के अंत में	मार्च 2017 के अंत में	मार्च 2018 के अंत में	सितं.2018 के अंत में
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
कंपनियों की संख्या	90	98	79	25	28	28	115	126	107
जमा राशियां	113	177	204	193	142	128	306	319	326
उधारियां	1,059	1,320	1,280	782	998	1,133	1,841	2,318	2,413
कुल देयताएं/ आस्तियां	**1,471**	**1,757**	**1,915**	**1,310**	**1,703**	**1,884**	**2,781**	**3,460**	**3,799**
कुल अग्रिम	1,304	1,576	1,739	1,149	1,534	1,676	2,453	3,110	3,415
निवेश	58	58.5	70	73	73	96	131	131	166

टिप्पणी : 1. आंकड़े अनंतिम हैं।
2. निवेश कंपनियों को छोड़कर।
स्रोत : पर्यवेक्षी विवरणियां, आरबीआई।

विशेषत: एनबीएफसी- आईएफसी द्वारा प्रदान किया गया है (चार्ट VI.3)।

VI.14 एनबीएफसी के खुदरा ऋणों में वर्ष 2017-18 में 46.2 प्रतिशत की मजबूत संवृद्धि हुई - वर्ष 2016-17 के दौरान 21.6 की वृद्धि के बाद- जिससे जोशपूर्ण उपभोक्ता मांग, विशेष रूप से वाहन ऋण क्षेत्र में परिलक्षित होती है। सेवा क्षेत्र को ऋण मुख्य रूप से वाणिज्यिक स्थावर संपदा एवं खुदरा व्यापार द्वारा चालित हैं। इस क्षेत्र में एससीबी द्वारा दिए जाने वाले ऋणों में आई तीव्र गिरावट को देखते हुए वाणिज्यिक स्थावर संपदा

चार्ट VI.3: एनबीएफसी ऋणों का वितरण (सितंबर के अंत में)

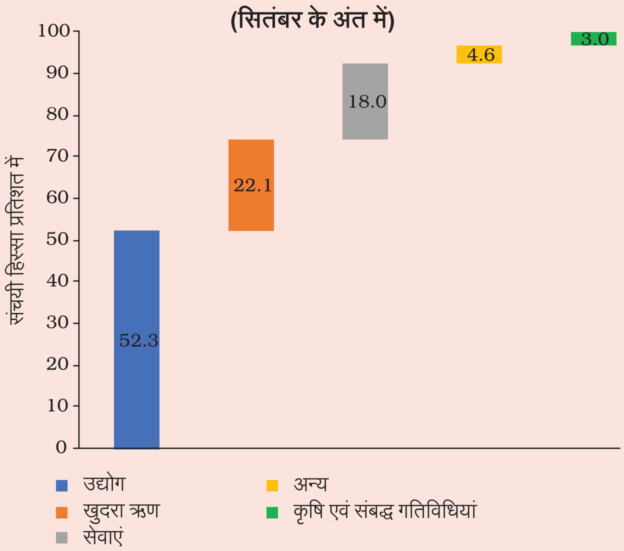

टिप्पणी : आंकड़े अनंतिम हैं।
स्रोत : पर्यवेक्षी विवरणियां, आरबीआई।

में ऋण संवृद्धि उल्लेखनीय है। कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों को ऋण में 2017-18 के दौरान बहाली आई, जो पिछले वर्ष के निम्न आधार को दर्शाती है। एनबीएफसी द्वारा एमएसएमई क्षेत्र को दिए गए उधार भी मजबूत रहे, जिसने एससीबी के ऋणों में आई गिरावट की क्षतिपूर्ति की (सारणी VI.6)। एनबीएफसी द्वारा अपने ऋण संविभाग में विविधता लाने के लिए उत्तरोत्तर नई–नई संभावनाओं की तलाश की जा रही है (परिशिष्ट सारणी VI.3)।

2.4 *संसाधन जुटाना*

VI.15 एनबीएफसी- एनडी- एसआई द्वारा संसाधनों को जुटाने के प्रमुख स्रोत डिबेंचर और बैंक उधार रहे हैं , जिसमें 2016-17 में डिबेंचरों की बड़ी हिस्सेदारी के विपरीत, 2017-18 एवं 2018-19 (सितंबर तक) के दौरान बैंक से लिए गए उधारों को तरजीह दी गई (चार्ट VI. 4)।

VI.16 सीपी का हिस्सा, जिसमें वर्ष 2017-18 में गिरावट आई थी, में 2018-19 की पहली छमाही में फिर से बहाली आई, जिसने डिबेंचर के हिस्से में कमी की आंशिक रूप से भरपाई की (सारणी VI.7)।

VI.17 वर्ष 2017-18 में उधारों में संरचनात्मक बदलाव मुख्यत: बढ़ते हुए प्रतिलाभों के कारण थे, जिसने बाजार उधारों की लागत, विशेष रूप से सीपी की, पर प्रतिकूल प्रभाव डाला, जबकि मौद्रिक सुगमता चक्र की वजह से बैंकों की ऋण दरों में कमी आई, जिसके परिणामस्वरूप बैंकों से

सारणी VI.6: एनबीएफसी द्वारा चुनिंदा क्षेत्रों को दिया गया ऋण

(राशि ₹ बिलियन में)

मदें	मार्च अंत में 2017	मार्च अंत में 2018	सितंबर अंत में 2018	प्रतिशत घट-बढ़ मार्च 2017 की तुलना में मार्च 2018
1	2	3	4	5
I. सकल अग्रिम	14,857	17,643	19,842	18.8
II. खाद्य ऋण	1.7	2.7	5.0	64.2
III. गैर- खाद्य ऋण (1 से 5)	14,855	17,640	19,837	18.8
1. कृषि एवं संबद्ध गतिविधियां	354	476	596	34.6
2. उद्योग (2.1 से 2.4)	8,940	9,655	10,374	8
2.1 सूक्ष्म एवं लघु	508	561	516	10.4
2.2 मध्यम	172	252	325	46.7
2.3 बड़े	4,375	4,785	5,128	9.4
2.4 अन्य	3,885	4,055	4,405	4.4
3. सेवाएं *जिसमें से*	2,224	3,013	3,563	35.5
3.1 वाणिज्यिक स्थावर संपदा	958	1,257	1,337	31.2
3.2 खुदरा व्यापार	170	275	325	61.9
4. खुदरा ऋण *जिसमें से*	2,490	3,639	4,381	46.2
4.1 आवासीय ऋण	106	135	165	27.5
4.2 टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुएं	57	88	111	54.2
4.3 वाहन / ऑटो ऋण	1,035	1,675	1,942	61.9
5. अन्य गैर-खाद्य ऋण	847	857	923	1.1

टिप्पणी : आंकड़े अनंतिम हैं।

स्रोत : पर्यवेक्षी विवरणियां, आरबीआई।

चार्ट VI.4: एनबीएफसी-एनडी-एसआई की उधारियों के घटक
(मार्च 2018 के अंत में)

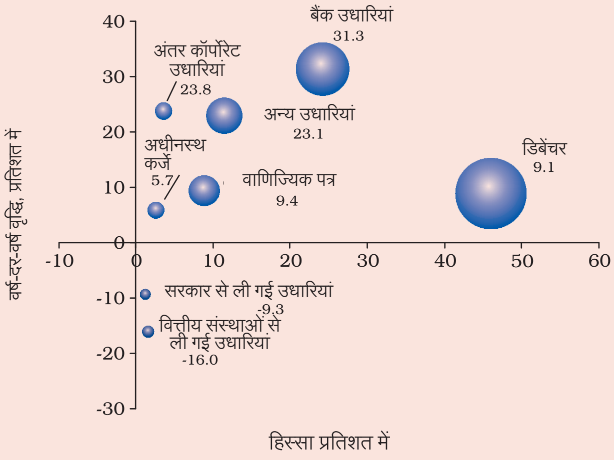

टिप्पणी : 1. आंकड़े अनंतिम हैं।
2. बबल उधारियों के आकार को दर्शाते हैं।
3. आंकड़े वर्ष-दर-वर्ष आधार पर बढ़ रहे हैं।

स्रोत : पर्यवेक्षी विवरणियां, आरबीआई।

ऋण लेना अधिक आकर्षक हो गया (चार्ट VI.5)। दूसरा, एनबीएफसी - विशेष रूप से उच्च क्रेडिट रेटिंग एवं बेहतर वित्तीय प्रदर्शन वाली एनबीएफसी - को दिए जाने वाले ऋणों ने बढ़ती हुई अनर्जक आस्तियों (एनपीए) और व्यापक जोखिम – विमुखता वाले वातावरण में बैंकों के लिए एक लाभप्रद विकल्प प्रस्तुत किया।

VI.18 वर्ष 2016-17 में आई गिरावट की तुलना में वर्ष 2017-18 एवं 2018-19 (सितंबर तक) में एनबीएफसी को दिए जाने वाले बैंक ऋणों में बहाली आई और अप्रत्यक्ष ऋणों में कमी आई (चार्ट VI.6)।

2.5 एनबीएफसी–डी: जमाराशियां

VI.19 भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा एनबीएफसी को जनता की जमाराशियां लेने से विमुख करने का प्रयास किया जाता रहा है, जैसाकि पहले भी उल्लेख किया गया है। नवंबर 2014 में एक

सारणी VI.7: एनबीएफसी- एनडी- एसआई की उधारियों के स्रोत

(राशि ₹ बिलियन में)

मदें	मार्च 2017 के अंत में	मार्च 2018 के अंत में	सितंबर 2018 के अंत में	हिस्सा प्रतिशत में		
				मार्च 2017	मार्च 2018	सितंबर 2018
1	2	3	4	5	6	7
1. डिबेंचर	5,795	6,321	6,681	48.6	46.2	42.5
2. बैंक उधारियां	2,527	3,318	4,108	21.2	24.2	26.1
3. वित्तीय संस्थानों से उधारियां	263	221	277	2.2	1.6	1.8
4. अंतर- कॉर्पोरेट उधारियां	404	500	701	3.4	3.7	4.4
5. वाणिज्यिक पत्र	1,119	1,224	1,525	9.4	8.9	9.7
6. सरकार से ली गई उधारियां	193	175	1	1.6	1.3	0.01
7. अधीनस्थ कर्जे	333	352	361	2.8	2.6	2.3
8. अन्य उधारियां	1,283	1,580	2,062	10.8	11.5	13.1
9. कुल उधारियां	**11,917**	**13,691**	**15,716**	**100.0**	**100.0**	**100.0**

टिप्पणी : आंकड़े अनंतिम हैं।

स्रोत : पर्यवेक्षी विवरणियां, आरबीआई।

चार्ट VI.5: एनबीएफसी-एनडी-एसआई की उधारियां

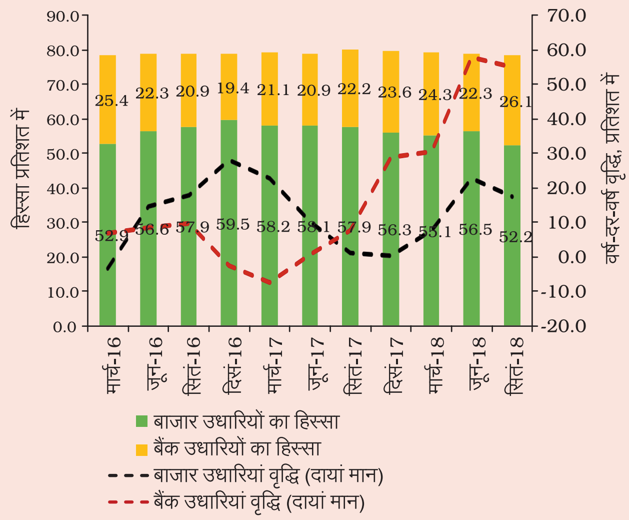

टिप्पणी : 1. आंकड़े अनंतिम हैं।
2. बाजार उधारियों में डिबेंचर एवं वाणिज्यिक पत्र शामिल है।
स्रोत : पर्यवेक्षी विवरणियां, आरबीआई।

चार्ट VI.7: एनबीएफसी-डी की जनता की जमाराशियां

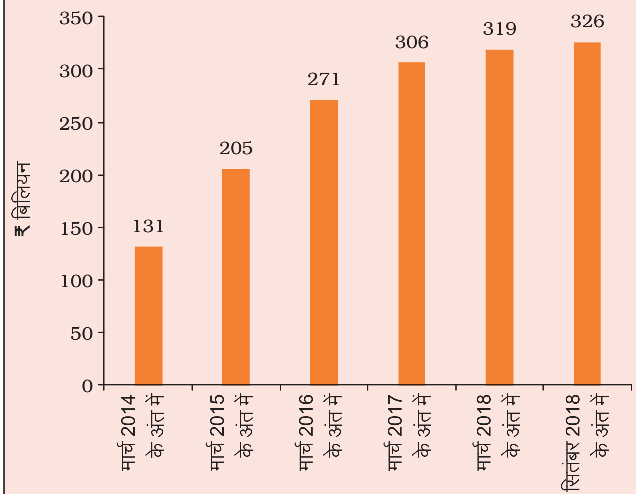

टिप्पणी : आंकड़े अनंतिम हैं।
स्रोत : पर्यवेक्षी विवरणियां, आरबीआई।

संशोधित विनियामक ढाँचा जारी किया गया था, जिसमें यह अधिदेश दिया गया था कि केवल रेटेड एनबीएफसी- डी जनता की जमाराशियों को स्वीकार एवं अनुरक्षित कर सकते हैं। इन दिशानिर्देशों द्वारा एएफसी को यह भी अनुमति दी गई कि वे अपनी निवल स्वाधिकृत निधियों (एनओएफ) की पूर्व में अनुमत 4 गुना राशि के विपरीत 1.5 गुना की सीमा तक की जमाराशि जनता से जुटा सकते हैं।

VI.20 जमाराशियां स्वीकार करने के लिए प्राधिकृत कंपनियों की संख्या 2016-17 के 178 की तुलना में 2017-18 में घटकर 168 हो गई और 2018-19 (सितंबर तक) में यह 108 रह गई। जमाराशि संवृद्धि की गति धीमी होकर वर्ष 2016-17 में 12.9 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2017-18 में 4.2 प्रतिशत रह गई (चार्ट VI.7)।

2.6 एनबीएफसी के वित्तीय कार्यनिष्पादन

VI.21 वर्ष 2017-18 एवं 2018- 19 (सितंबर तक) में एनबीएफसी की लाभप्रदता में मुख्य रूप से निधि आधारित आय में वृद्धि की वजह से सुधार हुआ है। एनबीएफसी- डी की आय में एनबीएफसी- एनडी- एसआई की वर्ष 2017-18 की तुलना में अधिक तेज गति से वृद्धि हुई। यद्यपि एनबीएफसी,

चार्ट VI.6: एनबीएफसी-एनडी-एसआई को बैकों द्वारा ऋण देने के साधन

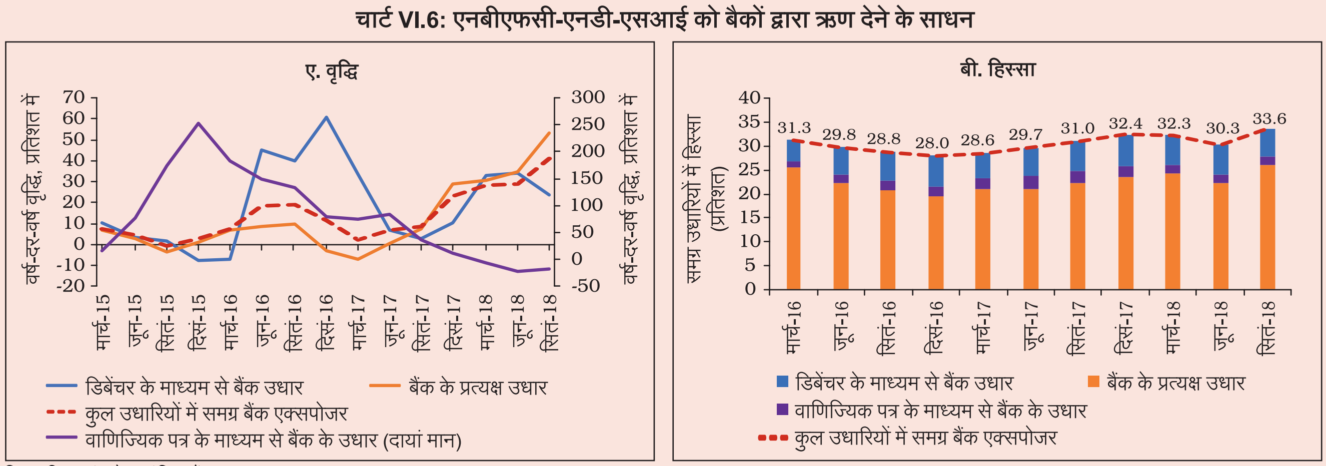

टिप्पणी : आंकड़े अनंतिम हैं।
स्रोत : पर्यवेक्षी विवरणियां, आरबीआई।

और विशेष रूप से एनबीएफसी- डी की आय और लागत अनुपात में कमी आई है, जो उनकी परिचालन क्षमता में सुधार को दर्शाता है, किंतु एनबीएफसी- एनडी- एसआई में इस अनुपात में वृद्धि होना बढ़ती हुई परिचालन लागत की ओर इशारा करते हैं (परिशिष्ट सारणी VI.4 और VI.5)। वर्ष 2018-19 की पहली छमाही में मुख्यत: बढ़े हुए व्यय के कारण एनबीएफसी- एनडी- एसआई के निवल लाभ में कमी आई है (सारणी VI.8)।

2.7 लाभप्रदता

VI.22 पिछले वर्ष की तुलना में 2017-18 के दौरान एनबीएफसी की लाभप्रदता के संकेतक- इक्विटी पर प्रतिफल (आरओई) तथा आस्तियों पर प्रतिफल (आरओए) कहीं अधिक थे, यद्यपि निवल ब्याज मार्जिन (एनआईएम) में कमी आई, जो अधिक ब्याज व्ययों को दर्शाते हैं (चार्ट VI.8)। चालू वित्त वर्ष के दौरान अभी तक (सितंबर 2018 तक) एनबीएफसी के लाभप्रदता अनुपात पिछले वर्ष रिपोर्ट किए गए अनुपातों की तुलना में कुछ कम थे।

चार्ट VI.8: एनबीएफसी का लाभप्रदता अनुपात
(मार्च के अंत में)

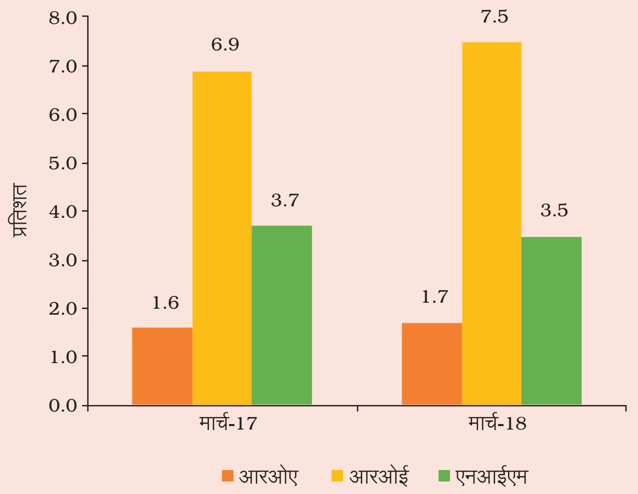

टिप्पणी : आंकड़े अनंतिम हैं।
स्रोत : पर्यवेक्षी विवरणियां, आरबीआई।

VI.23 वर्ष 2017-18 में एनबीएफसी- एनडी- एसआई की आरओए और आरओई के अनुसार मापी गई लाभप्रदता में वृद्धि हुई, जबकि एनआईएम कम हुआ, जो अधिक ब्याज भुगतान को दर्शाता है। इस श्रेणी की लाभप्रदता में फैक्टरिंग कंपनियों की वजह से कमी आई जबकि एनबीएफसी- आईएफसी एवं एएफसी की आधार रेखाओं में सुधार हुआ (चार्ट VI.9)। वर्ष 2018-19 की पहली छमाही में मजबूत ऋण संवृद्धि जारी रहने

सारणी VI.8: एनबीएफसी क्षेत्र के वित्तीय मापदंड

(राशि ₹ बिलियन में)

मदें	2016-17			2017-18			छ1:2018-19		
	एनबीएफसी	एनबीएफसी- एनडी-एसआई	एनबीएफसी- डी	एनबीएफसी	एनबीएफसी- एनडी-एसआई	एनबीएफसी- डी	एनबीएफसी	एनबीएफसी- एनडी-एसआई	एनबीएफसी- डी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
ए. आय	2,310	1,909	402	2,515	2,034	480	1,395	1,111	284
	(7.8)	(6.9)	(12.6)	(8.9)	(6.5)	(19.4)	(16.7)	(7.8)	(73.2)
बी. व्यय	1,822	1,498	325	1,958	1,584	374	1069	863	206
	(11.9)	(11.5)	(14.0)	(7.5)	(5.7)	(15.1)	(16.2)	(9.8)	(53.7)
सी. निवल लाभ	314	263	50	386	316	70	230	179	51
	(-14.4)	(-17.3)	(2.0)	(22.9)	(20.2)	(40.0)	(16.2)	(4.1)	(96.2)
डी. कुल आस्तियां	19,797	17,017	2,781	22,760	19,300	3,460	26,019	22,220	3,799
	(14.9)	(14.7)	(15.9)	(15.0)	(13.4)	(24.4)	(17.2)	(16.0)	(25.2)
ई. वित्तीय अनुपात (कुल आस्तियों के प्रतिशत के रुप में)									
(i) आय	11.7	11.3	14.5	11.0	10.5	13.9	5.4	5.0	7.5
(ii) व्यय	9.2	8.9	11.7	8.6	8.2	10.8	4.1	3.9	5.4
(iii) निवल लाभ	1.6	1.6	1.8	1.7	1.6	2.0	0.9	0.8	1.3
एफ. आय-लागत अनुपात (प्रतिशत)	78.9	68.3	80.9	77.9	72.7	77.8	72.1	68.7	83.3

टिप्पणी : 1. आंकड़े अनंतिम हैं।
2. कोष्ठकों के आंकड़े प्रतिशत में वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि दर्शाते हैं।
स्रोत : पर्यवेक्षी विवरणियां, आरबीआई।

के कारण एनबीएफसी-एनडी-एसआई वर्गीकरण के भीतर ऋण कंपनियों और एएफसी की लाभप्रदता में सुधार हुआ।

VI.24 एनबीएफसी- डी के मामले में, वर्ष 2016-17 की तुलना में 2017-18 में एलसी के एनआईएम में काफी गिरावट आई, जो इन संस्थाओं द्वारा जुटाई गई जनता की जमाराशियों की उच्च मोचन दर को दर्शाती हैं (चार्ट VI.10)। तथापि, 2018-19 की पहली छमाही में जमाराशियां ग्रहण करने वाली एनबीएफसी की लाभप्रदता में पिछले वर्ष की तुलना में सुधार हुआ।

2.8 आस्ति गुणवत्ता

VI.25 एनबीएफसी के आस्ति वर्गीकरण मानदंडों को नवंबर 2014 से उत्तरोत्तर बैंकों के साथ संरेखित किया गया है, जिससे एनपीए की अधिक पहचान[4] की जा सकी। तथापि, 2016-17 में एनपीए के रूप में वर्गीकृत आस्तियों के पोर्टफोलियो के एक भाग का मानक आस्ति के रूप में उन्नयन किए जाने से 2017-18 के दौरान आस्ति गुणवत्ता में सुधार हुआ है। इसके परिणामस्वरूप, वर्ष 2017-18 के दौरान सकल अनर्जक आस्ति (जीएनपीए) एवं निवल अनर्जक आस्ति (एनएनपीए) अनुपात, दोनों में कमी आई (चार्ट VI.11)। तथापि, सितंबर 2018 को समाप्त तिमाही में चूंकि जीएनपीए अनुपात में मामूली गिरावट आई, एनबीएफसी द्वारा बड़े प्रावधान रखे गए, और इसलिए एनएनपीए अनुपात में सुधार हुआ है।

चार्ट VI.9: एनबीएफसी- एनडी- एसआई के लाभप्रदता संकेतक
(मार्च के अंत में)

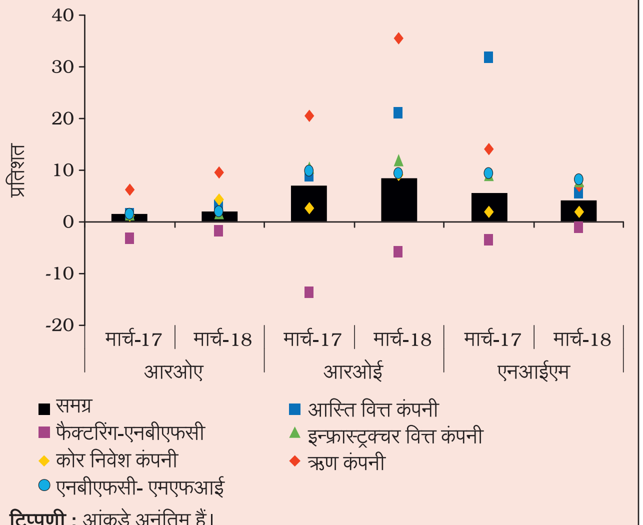

टिप्पणी : आंकड़े अनंतिम हैं।
स्रोत : पर्यवेक्षी विवरणियां, आरबीआई।

चार्ट VI.10: एनबीएफसी- डी के लाभप्रदता संकेतक
(मार्च के अंत में)

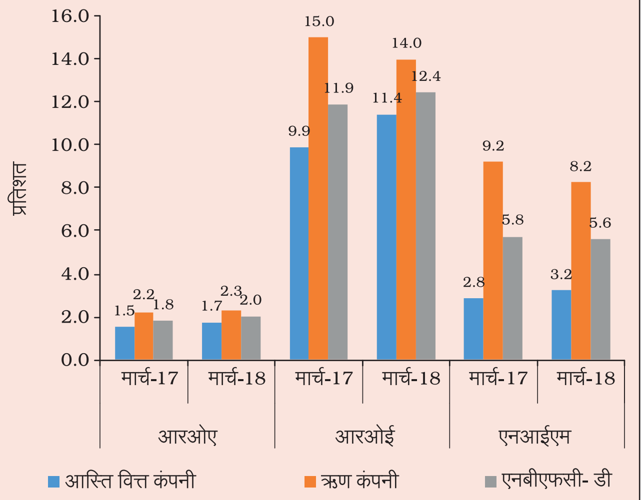

टिप्पणी : आंकड़े अनंतिम हैं।
स्रोत : पर्यवेक्षी विवरणियां, आरबीआई।

VI.26 आस्ति गुणवत्ता में हुए सुधार एनबीएफसी आस्तियों की संरचना में परिलक्षित होते हैं। वर्ष 2016-17 में अवमानक आस्तियों के रूप में वर्गीकृत अग्रिमों का मानक अग्रिमों के रूप में में उन्नयन किया गया, जबकि 2017-18 में हानि अग्रिमों को संदिग्ध आस्ति श्रेणी में डाला गया (चार्ट VI.12)। तथापि, सितंबर 2018 को समाप्त तिमाही में, कुछ मानक आस्तियों का दर्जा घटाए जाने के कारण अवमानक आस्तियों के अनुपात में वृद्धि हुई। फिर भी, कुछ संदिग्ध आस्तियों का अवमानक श्रेणी में उन्नयन किया जाना आस्ति गुणवत्ता के लिए शुभ संकेत है।

VI.27 वर्ष 2016-17 की तुलना में वर्ष 2017-18 में एनबीएफसी- एनडी- एसआई के सकल एनपीए में सुधार हुआ, क्योंकि वर्ष 2016-17 में आस्ति संवृद्धि में तेजी आने के साथ

[4] एनपीए के रूप में किराये पर खरीद से इतर आस्तियों के वर्गीकरण के लिए समय अवधि मार्च 2016 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए 5 महीने तक, मार्च 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए 4 महीने और मार्च 2018 को समाप्त वर्ष के लिए 3 महीने तक कम कर दिया गया था। वर्ष 2011 से एनबीएफसी-एमएफआई के लिए एनपीए मान्यता मानदंडों को एससीबी के मानदंडों के अनुरूप कर दिया गया है।

चार्ट VI.11: एनबीएफसी की आस्ति गुणवत्ता
(मार्च के अंत में)

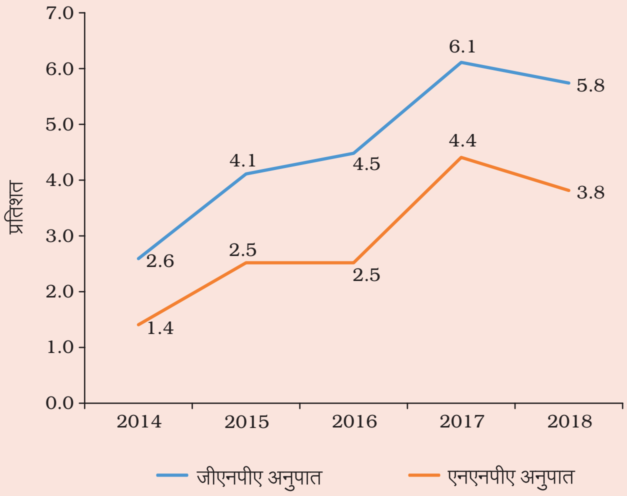

टिप्पणी : आंकड़े अनंतिम हैं।
स्रोत : पर्यवेक्षी विवरणियां, आरबीआई।

चार्ट VI.12: एनबीएफसी की आस्तियों का वर्गीकरण

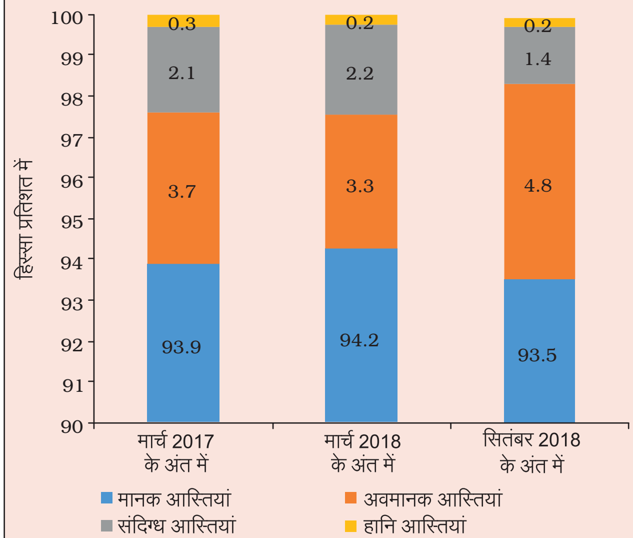

टिप्पणी : आंकड़े अनंतिम हैं।
स्रोत : पर्यवेक्षी विवरणियां, आरबीआई।

ही एनपीए के रूप में वर्गीकृत एक महत्वपूर्ण संविभाग का मानक आस्तियों में उन्नयन किया गया। एनबीएफसी- आईएफसी के कुछ बड़े खातों, जो वर्ष 2016-17 में संशोधित एनपीए मानदंडों की वजह से प्रतिकूल रूप से प्रभावित थे, में 2017-18 में बहाली आई, और उनका मानक आस्तियों के रूप में उन्नयन किया गया। एलसी को छोड़कर, एनबीएफसी- एनडी- एसआई की सभी श्रेणियों द्वारा आस्ति गुणवत्ता में सुधार रिपोर्ट किया गया (चार्ट VI.13ए)। एएफसी के मामले में जीएनपीए अनुपात में कटौती करना विशेष रूप से महत्वपूर्ण था। एनबीएफसी- एमएफआई द्वारा उनके जीएनपीए अनुपात में मामूली गिरावट दर्ज की गई, हालांकि वर्ष 2017-18 में यह बढ़ा हुआ ही रहा। एनबीएफसी- एमएफआई क्षेत्र के उधार परिचालन, जिनकी 2016-17 में गति मंद हुई थी, में बहाली आई, किंतु अभी इस क्षेत्र को आस्ति गुणवत्ता की खामियों से पूरी तरह उबरना शेष है। निवल एनपीए ने मोटे तौर पर सकल एनपीए स्वरूप का अनुसरण किया, केवल एलसी को छोड़कर, जिसने उनके जीएनपीए अनुपात के विपरीत सुधार दर्शाया (चार्ट VI.13बी)।

चार्ट VI. 13: एनबीएफसी- एनडी- एसआई के एनपीए

ए. एनबीएफसी- एनडी- एसआई के सकल अग्रिमों के प्रतिशत के रूप में सकल एनपीए
(मार्च के अंत में)

बी. एनबीएफसी-एनडी-एसआई के निवल अग्रिमों के प्रतिशत के रूप में निवल एनपीए
(मार्च के अंत में)

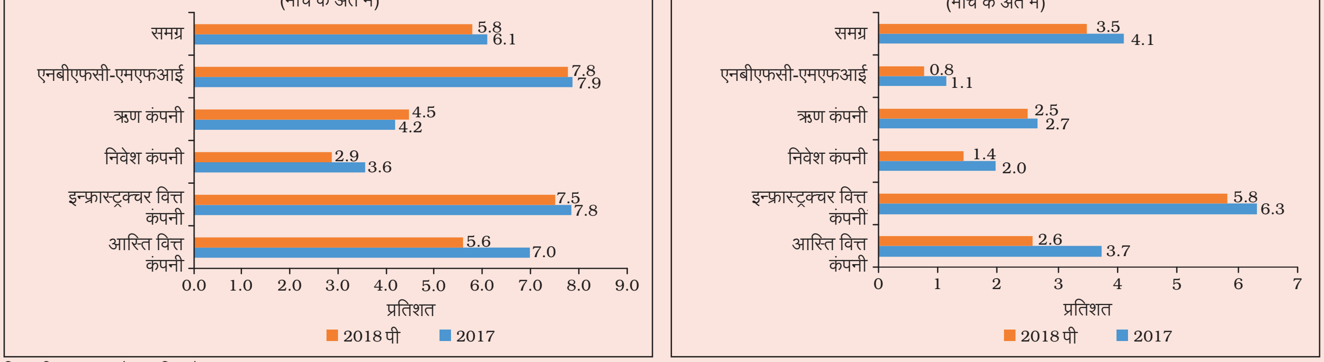

टिप्पणी : 1. आंकड़े अनंतिम हैं।
2. आईडीएफ-एनबीएफसी ने शून्य एनपीए की सूचना दी है।
स्रोत : पर्यवेक्षी विवरणियां, आरबीआई।

VI.28 दबावग्रस्त आस्तियों के उच्च अनुपात[5] वाले क्षेत्रों में निम्न ऋण संवृद्धि देखी गई। वर्ष 2018-19 की पहली छमाही के दौरान दबावग्रस्त आस्ति के उच्च स्तर वाले क्षेत्रों, जैसे उद्योग ने ऋण का कम प्रवाह प्राप्त किया, वहीं अपेक्षाकृत कम दबावग्रस्त आस्ति स्तर वाले सेवा एवं खुदरा जैसे क्षेत्रों में ऋण प्रवाह तेजी से बढ़ा (चार्ट VI.14)। वर्ष 2017-18 की दूसरी छमाही में उद्योग और कृषि में दबावग्रस्त आस्ति अनुपात घटा, तथा ऋण संवृद्धि में सहवर्ती वृद्धि देखी गई।

VI.29 एनबीएफसी- डी के मामले में भी, एनपीए निर्धारण मानदंडों में एकरूपता लाने का प्रभाव कम हो रहा है। जीएनपीए अनुपात में गिरावट में आस्ति वृद्धि ने भी सहायता की। आधे से अधिक एनपीए परिवहन परिचालकों एवं निर्माण क्षेत्र को प्रदत्त ऋणों में रिपोर्ट किए गए, जिन्हें एएफसी द्वारा लगभग पूर्ण रूप से वित्तपोषित किया गया था। इसके परिणामस्वरूप, एएफसी के एनपीए एलसी की तुलना में अधिक थे (चार्ट VI.15)।

2.9 पूंजी पर्याप्तता

VI.30 एनबीएफसी समान्यत: अच्छी तरह से पूंजीकृत होते हैं, और प्रणाली स्तर पर उनका जोखिम भारित आस्तियों की तुलना में पूंजी अनुपात (सीआरएआर) 15 प्रतिशत के निर्धारित मानदंड से अधिक है। वर्ष 2017-18 के दौरान, एनबीएफसी क्षेत्र के सीआरएआर में और सुधार हुआ। तथापि, 2018-19 (सितंबर तक) में अनर्जक आस्तियों में वृद्धि होने की वजह से उनकी पूंजी स्थिति मामूली रूप से घट गई है (चार्ट VI.16)।

चार्ट VI.14: एनबीएफसी-एनडी-एसआई की क्षेत्रवार दबावग्रस्त आस्तियां एवं ऋण वृद्धि
(मार्च के अंत में)

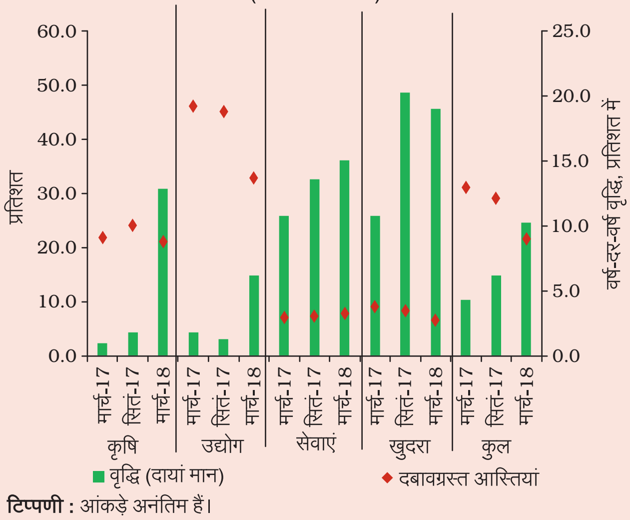

टिप्पणी : आंकड़े अनंतिम हैं।
स्रोत : पर्यवेक्षी विवरणियां, आरबीआई।

चार्ट VI.15: एनबीएफसी-डी के सकल एवं निवल एनपीए अनुपात
(मार्च के अंत में)

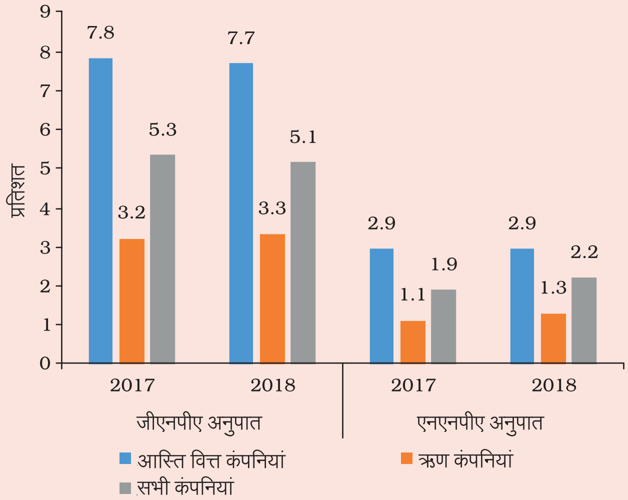

टिप्पणी : आंकड़े अनंतिम हैं।
स्रोत : पर्यवेक्षी विवरणियां, आरबीआई।

VI.31 एनबीएफसी- एनडी- एसआई की सभी श्रेणियों द्वारा वर्ष 2017-18 के दौरान निर्धारित मानदंडों से अधिक सीआरएआर रिपोर्ट किया गया। इस पूरे क्षेत्र के लिए, निवेश कंपनियों में उल्लेखनीय सुधार की वजह से पूंजी पर्याप्तता में वृद्धि हुई। वर्ष 2017-18 के दौरान आई कुछ गिरावट के बाद सितंबर 2018 को समाप्त तिमाही में एनबीएफसी-एमएफआई की पूंजी स्थिति में सुधार आया (चार्ट VI.17)।

VI.32 एनबीएफसी- डी का सीआरएआर पिछले दो वर्षों से स्थिर बना हुआ है। तथापि, आस्ति गुणवत्ता में कमी के कारण एलसी की पूंजी स्थिति और खराब हुई है (चार्ट VI.18)।

[5] (एनपीए + पुनर्रचित ऋण)।

चार्ट VI.16: एनबीएफसी क्षेत्र की पूंजी स्थिति

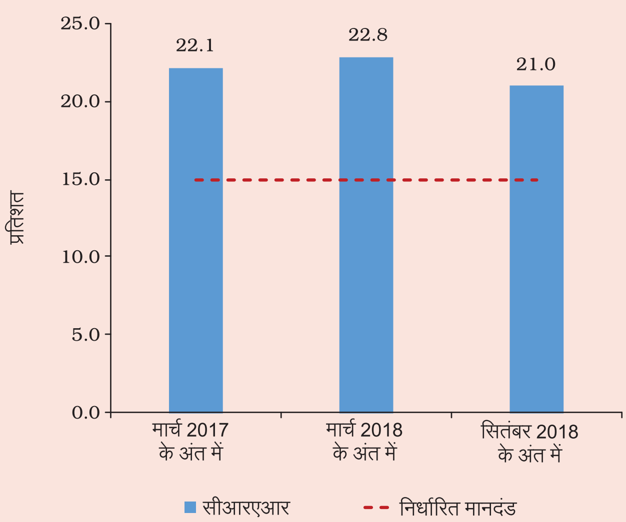

टिप्पणी : आंकड़े अनंतिम हैं।
स्रोत : पर्यवेक्षी विवरणियां, आरबीआई।

चार्ट VI.18: एनबीएफसी- डी के श्रेणीवार सीआरएआर

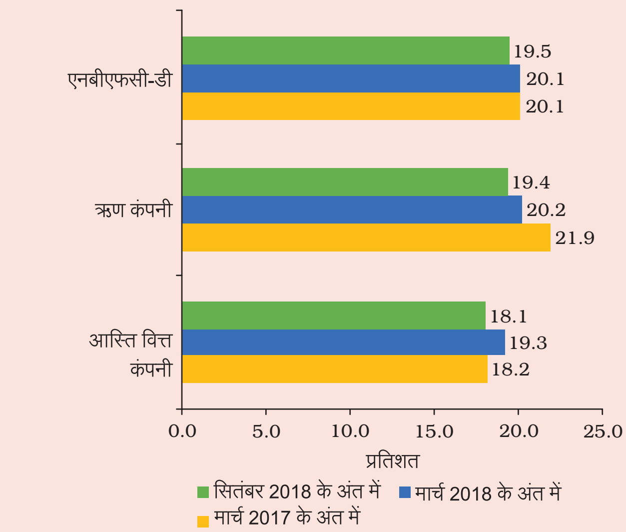

टिप्पणी : आंकड़े अनंतिम हैं।
स्रोत : पर्यवेक्षी विवरणियां, आरबीआई।

2.10 संवेदनशील क्षेत्रों के प्रति एक्सपोजर

VI.33 रिज़र्व बैंक ने पूंजी बाजार, रियल एस्टेट और पण्य वस्तुओं को इन आस्तियों की कीमतों में उतार-चढ़ाव से जुड़े जोखिमों को देखते हुए संवेदनशील क्षेत्रों के रूप में निरूपित किया है। वर्ष 2017-18 में एससीबी के संवेदनशील क्षेत्रों को दिए गए ऋणों में वृद्धि हुई, जबकि एनबीएफसी द्वारा इन क्षेत्रों को दिये गए ऋणों में कमी आई (चार्ट VI.19)।

चार्ट VI.17: एनबीएफसी- एनडी- एसआई का श्रेणीवार सीआरएआर

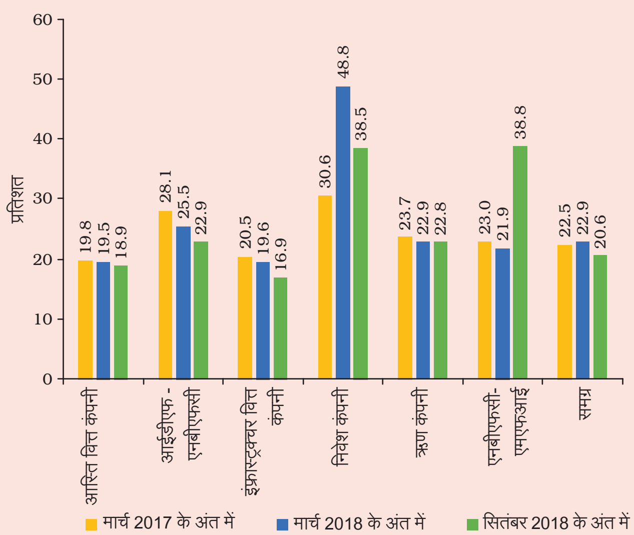

टिप्पणी : आंकड़े अनंतिम हैं।
स्रोत : पर्यवेक्षी विवरणियां, आरबीआई।

2.11 अवशिष्ट गैर-बैंकिंग कंपनियां (आरएनबीसी)

VI.34 आरएनबीसी का प्रमुख व्यवसाय जमाराशियां प्राप्त करना और रिज़र्व बैंक द्वारा दी गई अनुमति से उनका नियोजन करना है। मार्च 2015 तक, रिज़र्व बैंक के पास केवल दो आरएनबीसी पंजीकृत थीं। सितंबर 2015 में, एक कंपनी का पंजीकरण रद्द किया गया। दोनों आरएनबीसी ने

चार्ट VI.19: संवेदनशील क्षेत्रों में एक्सपोजर
(मार्च के अंत में)

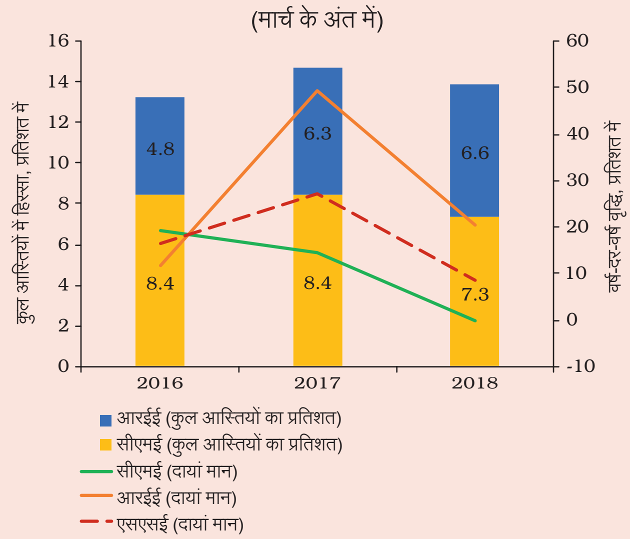

टिप्पणी : आंकड़े अनंतिम हैं।
स्रोत : पर्यवेक्षी विवरणियां, आरबीआई।

जमाराशियां स्वीकार करना बंद कर दिया है और वे पुरानी जमाराशियों की चुकौती की प्रक्रिया में हैं।

VI.35 सारांश में, आस्ति पक्ष में मजबूत ऋण संवृद्धि और देयता पक्ष में उधारियों में वृद्धि के आधार पर एनबीएफसी क्षेत्र के समेकित तुलन-पत्र में विस्तार हुआ। ऋण संवृद्धि मुख्यत: खुदरा और सेवा क्षेत्र के ऋणों में हुई। विनियामकीय पहलों के प्रतिसाद में जमाराशियां जुटाने में गिरावट आयी। लाभप्रदता और सुदृढ़ता संकेतकों में सुधार हुआ।

2.12 आवास वित्त कंपनियां (एचएफसी)

VI.36 आवास वित्त बाजार की ऋण आवश्यकताओं की पूर्ति मुख्यत: अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) और आवास वित्त कंपनियों (एचएफसी)[6] द्वारा की जाती है। एचएफसी का महत्व इस तथ्य से रेखांकित होता है कि 2017-18 में गैर-बैंक घरेलू स्रोतों से वाणिज्यिक क्षेत्र के ऋण-प्रवाह में उनका हिस्सा 25.3 प्रतिशत था। आवास के लिए उधार देने में एचएफसी का हिस्सा 2016-17 के 41.0 प्रतिशत से बढ़कर 2017-18 में 43.6 प्रतिशत हो गया। हालांकि 2017-18 के दौरान एससीबी और एचएफसी, दोनों की ऋण बहियों में वृद्धि हुई, एचएफसी की ऋण संवृद्धि एससीबी की वृद्धि की तुलना में दोगुनी गति से हुई (चार्ट VI.20)।

चार्ट VI.20: एचएफसी और एससीबी द्वारा आवास क्षेत्र को दिया गया ऋण
(मार्च के अंत में)

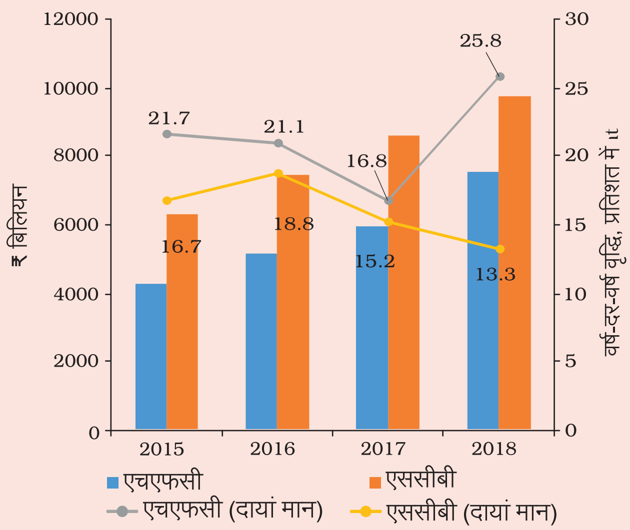

स्रोत : आरबीआई और एनएचबी।

VI.37 मार्च 2018 के अंत में 91 एचएफसी थीं, जिनमें से 18 जमाराशियां स्वीकार करने वाली और शेष 73 जमाराशियाँ स्वीकार न करने वाली थीं। जमाराशियां स्वीकार करने वाली सभी एचएफसी पब्लिक लिमिटेड कंपनियां हैं। वर्ष 2017-18 में सरकारी स्वामित्व वाली इकलौती एचएफसी का कुल आस्तियों में हिस्सा 4.2 प्रतिशत था। गैर-सरकारी स्वामित्व वाला एचएफसी सेगमेंट, जो प्रबल है, की आस्तियों का आकार वर्ष 2017-18 के दौरान 27.5 प्रतिशत की दर से बढ़ा (सारणी VI.9) ।

2.12.1 तुलन-पत्र

VI.38 सस्ते घरों की उपलब्धता बढ़ाने की भारत सरकार की हालिया पहलों के फलस्वरूप एचएफसी के ऋणों और अग्रिमों में तेज वृद्धि उनकी समेकित तुलन-पत्र संवृद्धि को बढ़ाने में सहायक थी। वर्ष 2017-18 में आस्ति पक्ष में, ऋण और अग्रिम उनके तुलन-पत्र का अस्सी प्रतिशत से अधिक हिस्सा बनाते हैं, जबकि उनके ऋण संविभाग का दो तिहाई से अधिक हिस्सा आवास ऋणों का है। देयताओं में, जमाराशियां और उधार मिल कर एचएफसी की कुल देयताओं का लगभग अस्सी प्रतिशत हिस्सा थे, जिसमें उधारियां निधियों का सबसे महत्वपूर्ण स्रोत थीं। 2017-18 में डिबेंचर और सीपी सहित उधार में 27.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि जनता से प्राप्त

सारणी VI.9: एचएफसी के स्वामित्व का स्वरूप
(मार्च के अंत में)

(राशि ₹ बिलियन में)

प्रकार	2017		2018	
	संख्या	आस्ति आकार	संख्या	आस्ति आकार
1	2	3	4	5
ए. सरकारी कंपनियां	1	393	1	489
बी. गैर- सरकारी कंपनियां (1+2)	82	8,715	90	11,108
1. पब्लिक लिमिटेड कंपनियां	65	8,696	72	11,093
2. प्राइवेट लिमिटेड कंपनियां	17	20	18	15
कुल (ए+बी)	**83**	**9,109**	**91**	**11,598**

स्रोत : एनएचबी।

[6] एचएफसी का विनियमन राष्ट्रीय आवास बैंक अधिनियम, 1987 की धारा 29ए के तहत राष्ट्रीय आवास बैंक द्वारा किया जाता है।

सारणी VI. 10: एचएफसी का समेकित तुलन पत्र
(मार्च के अंत में)

(राशि ₹ बिलियन में)

मदें	2016	2017	2018	प्रतिशत घट-बढ़	
				2016-17	2017-18
शेयर पूंजी	79	93	305	18.3	228.2
आरक्षित और अधिशेष निधि	736	932	1,247	26.6	33.7
सार्वजनिक जमाराशियां	935	1,121	1,219	19.8	8.7
डिबेंचर	2,589	3,364	4,100	29.9	21.9
बैंक उधारियां	1,723	1,727	2,310	0.2	33.7
वित्तीय संस्थाओं से ली गई उधारियां	135	216	279	59.9	29.5
अंतर- कॉर्पोरेट उधारियां	22	20	40	-10.5	99.9
वाणिज्यिक पत्र	481	682	975	41.9	42.9
सरकार से ली गई उधारियां	-	-	-	-	-
अधीनस्थ कर्जे	133	163	202	22.6	24.1
अन्य उधारियां	78	186	211	137.7	13.7
चालू देयताएं	184	245	318	33.3	29.7
प्रावधान	97	83	126	-15.3	52.5
अन्य*	139	171	184	22.6	7.7
कुल देयताएं/ आस्तियां	**7,332**	**9,003**	**11,516**	**22.8**	**27.9**
कर्ज और अग्रिम	6,053	7,286	9,354	20.4	28.4
किराया खरीद और पट्टे पर दी गई आस्तियां	0.01	0.02	0.04	100.0	100.0
निवेश	316	551	739	74.3	34.0
नकद और बैंक जमा शेष	188	227	196	20.7	-13.9
अन्य **	775	938	1,228	21.0	30.9

*: आस्थगित कर देयताएं और अन्य देयताएं शामिल हैं।
**: अचल आस्तियां, मूर्त और अमूर्त आस्तियां, अन्य आस्तियां और आस्थगित कर आस्ति शामिल हैं।
टिप्पणी : 91 एचएफसी में से 84 द्वारा 31 मार्च 2018 को प्रस्तुत की गई जानकारी।
स्रोत : एनएचबी।

जमाराशियां 8.7 प्रतिशत की मामूली दर से बढ़ीं। एचएफसी ने मुख्यत: डिबेंचरों के माध्यम से संसाधनों को जुटाया, जो सभी उधारों का लगभग आधा हिस्सा था, उसके बाद बैंक- ऋण आते हैं (सारणी VI.10)।

2.12.2 एचएफसी का संसाधन प्रोफाइल

VI.39 एचएफसी की निधियों का निर्माण बैंकों से प्राप्त डिबेंचर और उधार के अलावा, सार्वजनिक जमाराशियों, बाहरी वाणिज्यिक उधार, सीपी और एनएचबी के पुनर्वित्त जैसे पूंजी बाजार लिखतों से हुआ है। (चार्ट VI.21)

VI.40 एचएफसी मुख्य रूप से एक वर्ष से ऊपर की परिपक्वता वाली सावधि जमाराशियों को स्वीकार करता है; तथापि, 2017-18 में जमा संवृद्धि में कमी आई, जो पिछले वर्ष की उच्च आधार दरों को दर्शाती है (चार्ट VI.22)।

चार्ट VI.21: एचएफसी द्वारा जुटाए गए संसाधन
(मार्च के अंत में)

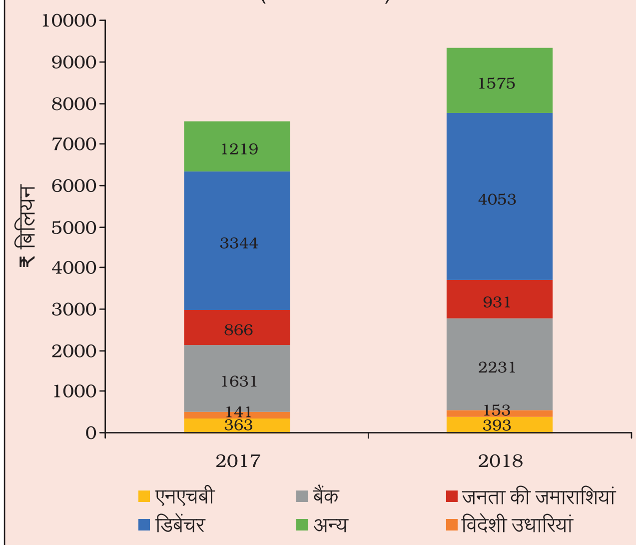

स्रोत : एनएचबी।

VI.41 जमाराशियों के वितरण से यह पता चलता है कि 6 से 9 प्रतिशत ब्याज-दर वाली बकेट में वर्ष 2017-18 के दौरान संकेन्द्रण हुआ है (चार्ट VI.23 ए और बी), जबकि जमा संग्रहण की गति सभी परिपक्वताओं में कम रही है (चार्ट VI.23 सी और डी)।

2.12.3 वित्तीय कार्यनिष्पादन

*VI.*42 वर्ष 2016-17 की तुलना में 2017-18 में एचएफसी के आय और व्यय दोनों में कमी आई। जहाँ व्यय में आयी कमी

चार्ट VI.22: एचएफसी की जमाराशियां
(मार्च के अंत में)

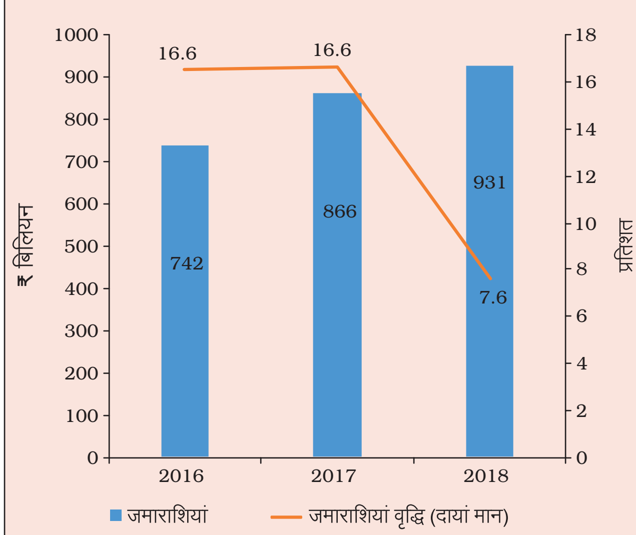

स्रोत : एनएचबी।

VI.23: एचएफसी की जमाराशियों का विश्लेषण

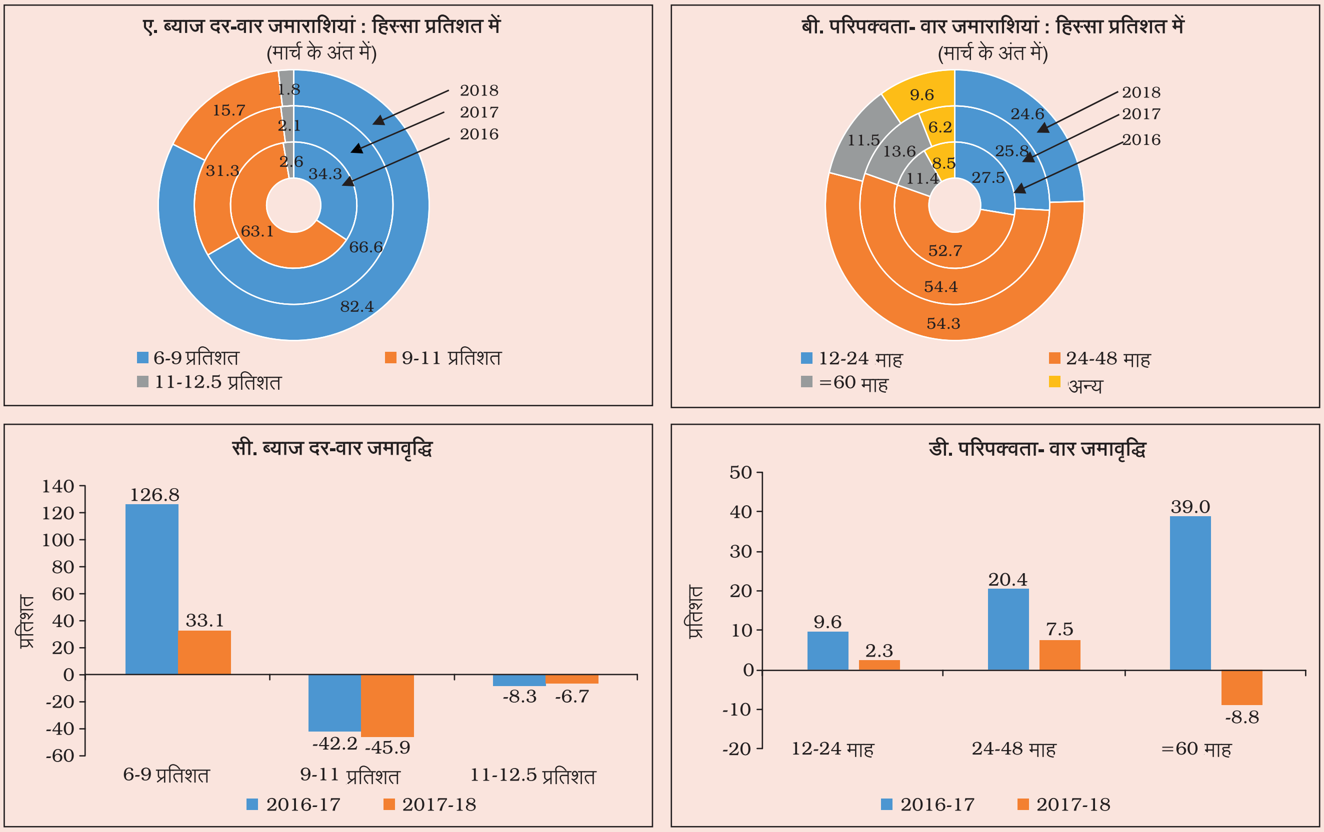

स्रोत : एनएचबी।

ब्याज भुगतानों पर हुए अपेक्षाकृत कम खर्च को आंशिक रूप से दर्शाती है, वहीं निधि आधारित आय कम हो जाने के कारण आय में होने वाली वृद्धि पर विपरीत प्रभाव पड़ा। तदनुसार, एचएफसी के निवल लाभ 2016-17 की तुलना में 2017-18 में निम्न दर से बढ़े (चार्ट VI.24)।

VI.43 यद्यपि लाभप्रदता में कमी आने से 2016-17 के मुकाबले 2017-18 में एचएफसी के आरओए में मामूली गिरावट आई, तथापि एचएफसी का लागत-आय अनुपात काफी स्थिर बना रहा (सारणी VI.11)।

2.12.4 सुदृढ़ता संकेतक

VI.44 जीएनपीए और एनएनपीए अनुपात जो 2014-15 में नीचे आ गए थे और अगले तीन वर्षों के दौरान भी क्रमश: 1.1 और 0.5 प्रतिशत के स्तर पर स्थिर बने रहे थे, उनमें थोड़ी वृद्धि 2017-18 और 2018-19 (सितंबर तक) में दोबारा देखने को मिली। हालांकि, एचएफसी की आस्ति गुणवत्ता एससीबी और एनबीएफसी की तुलना में बेहतर बनी रही (चार्ट VI.25)।

चार्ट VI.24: एचएफसी के वित्तीय मानदंड

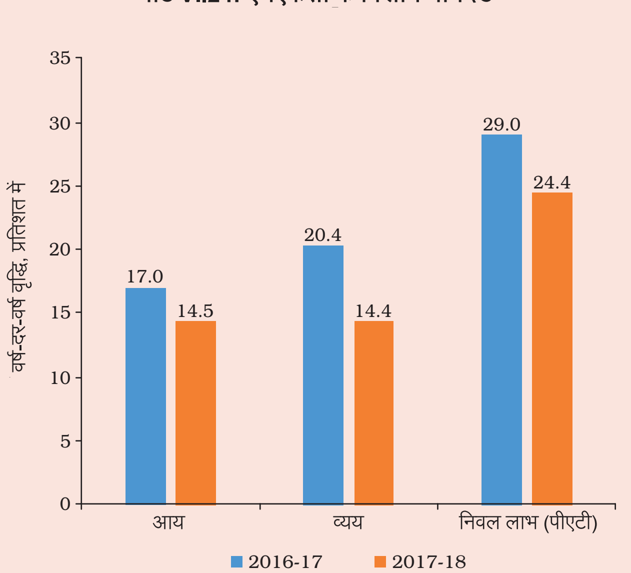

स्रोत : एनएचबी।

सारणी VI.11: एचएफसी के वित्तीय अनुपात
(कुल आस्तियों के प्रतिशत के रूप में)
(मार्च के अंत में)

विवरण	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18
1	2	3	4	5	6
कुल आय	**10.8**	**10.8**	**10.5**	**10.0**	**9.0**
1. निधि आय	10.6	10.6	10.3	9.8	8.8
2. शुल्क आय	0.2	0.2	0.2	0.2	0.2
कुल व्यय	**7.9**	**7.8**	**7.5**	**7.4**	**6.6**
1. वित्तीय व्यय	7.2	7.1	6.8	6.4	5.7
2. परिचालनगत व्यय	0.7	0.7	0.7	0.9	1.0
कर प्रावधान	0.8	0.9	0.9	0.8	0.7
आय- लागत अनुपात (कुल व्यय/ कुल आय)	73.3	72.6	71.6	73.6	73.6
आस्तियों पर प्रतिलाभ (आरओए) (पीएटी/ कुल आस्तियां)	2.1	2.0	2.0	2.1	2.0

स्रोत : एनएचबी।

चार्ट VI.25: एचएफसी का एनपीए अनुपात
(मार्च के अंत में)

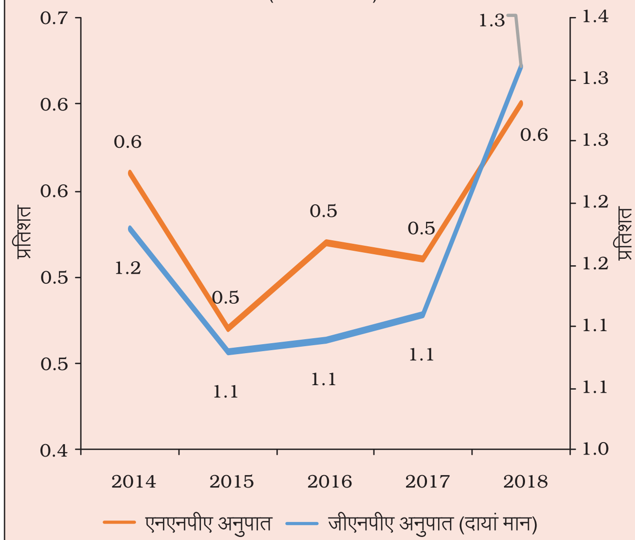

स्रोत : एनएचबी।

3. अखिल भारतीय वित्तीय संस्थाएं

VI.45 मार्च 2018 के अंत की स्थिति के अनुसार, रिज़र्व बैंक के विनियमन और पर्यवेक्षण के अधीन चार वित्तीय संस्थान थे, यथा - भारतीय निर्यात-आयात बैंक (एक्ज़िम बैंक), राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड), भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) और राष्ट्रीय आवास बैंक (एनएचबी) (चार्ट VI.26)।

3.1 एआईएफआई के परिचालन[7]

VI.46 वर्ष 2017-18 के दौरान एआईएफआई द्वारा मंजूर की गई वित्तीय सहायता में 2.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि संवितरण की दर 21.1 प्रतिशत के साथ तुलनात्मक रूप से काफी अधिक रही क्योंकि समग्र आर्थिक गतिविधि में काफी उछाल आया था। वर्ष के दौरान सभी एआईएफआई द्वारा किए गए संवितरण में वृद्धि हुई जिसमें सिडबी द्वारा सबसे अधिक वृद्धि दर्ज की गई क्योंकि उन्होंने बैंकों को पुनर्वित्त प्रदान किया था ताकि वे एमएसएमई क्षेत्र को उधार दे सकें (सारणी VI.12) (परिशिष्ट सारणी VI.6)।

3.2 तुलन-पत्र

VI.47. ऋणों और अग्रिमों के बल पर 2017-18 के दौरान एआईएफआई के समेकित तुलन पत्र में 16.4 प्रतिशत विस्तार हुआ जिसमें आस्तियों की सबसे अधिक हिस्सेदारी थी। देयताओं की ओर देखें तो, बढ़े हुए क्रेडिट संवितरण और

चार्ट VI.26: एआईएफआई के स्वामित्व का स्वरूप
(मार्च 2018 के अंत में)

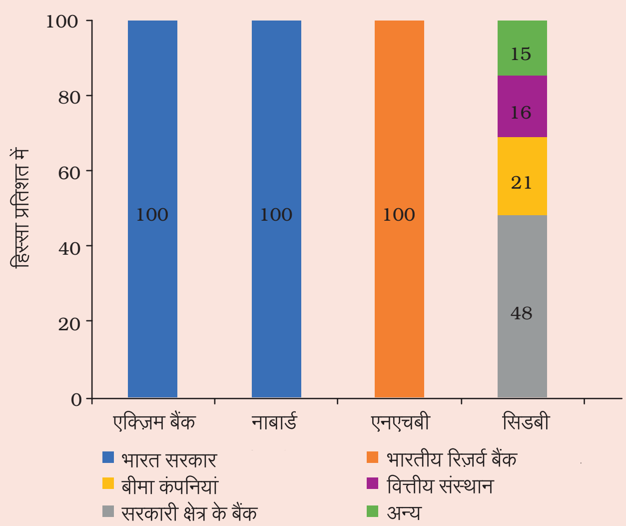

स्रोत : सिडबी, नाबार्ड, एनएचबी और एक्ज़िम बैंक।

[7] एक्ज़िम बैंक, सिडबी एवं नाबार्ड का वित्तीय वर्ष अप्रैल से मार्च और एनएचबी का वित्तीय वर्ष जुलाई से जून होता है।

सारणी VI.12: एआईएफआई द्वारा स्वीकृत और संवितरित वित्तीय सहायता

(₹ बिलियन)

श्रेणी	2016-17		2017-18	
	स्वी.	संवि.	स्वी.	संवि.
1	2	3	4	5
सिडबी	406	395	588	587
नाबार्ड	2,401	1,977	2,174	2,278
एनएचबी	379	234	449	249
एक्ज़िम बैंक	709	531	777	685
कुल	**3,895**	**3,137**	**3,989**	**3,799**

स्वी. : स्वीकृत संवि.: संवितरित
स्रोत : सिडबी, नाबार्ड, एनएचबी और एक्ज़िम बैंक।

निवेश गतिविधियों हेतु वित्त उपलब्ध कराने के लिए वर्ष के दौरान बॉण्ड और डिबेंचर तथा अन्य उधारियों में भी बढ़ोतरी हुई (सारणी VI.13)।

VI.48 एआईएफआई ने अपनी गतिविधियों के वित्तपोषण के लिए बड़े पैमाने पर अल्पकालिक निधियों की उगाही की। जहाँ 2017-18 में की गयी कुल उगाही में आधे से अधिक एनएचबी द्वारा की गई, वहीं एक्ज़िम बैंक ने सबसे कम उगाही की और

सारणी VI.13: एआईएफआई का तुलन पत्र

(राशि ₹ बिलियन में)

मदें	2017	2018	प्रतिशत घट- बढ़
1	2	3	4
देयताएं			
1. पूंजी	155 (2.6)	199 2.8	28.4
2. आरक्षित निधि	490 (8.1)	511 (7.3)	4.3
3. बॉन्ड और डिबेंचर	1,472 (24.4)	1,850 (26.3)	25.7
4. जमाराशियां	2,467 (40.9)	2,913 (41.5)	18.1
5. उधारियां	898 (14.9)	1,005 (14.3)	11.9
6. अन्य देयताएं	55 (9.1)	544 (7.8)	-1.4
कुल देयताएं/आस्तियां	**6,034**	**7,023**	16.4
आस्तियां			
1. नकद और बैंक जमा शेष	193 (3.2)	237 (3.4)	22.8
2. निवेश	408 (6.8)	495 (7.1)	21.3
3. ऋण और अग्रिम	5,283 (87.6)	6,097 (86.8)	15.4
4. अन्य आस्तियां	150 (2.5)	193 (2.8)	28.7

टिप्पणी : कोष्ठक में प्रदत्त आंकड़े कुल देयताओं/आस्तियों का प्रतिशत है।
स्रोत: लेखापरीक्षित ओएसएमओएस विवरणियां।

सारणी VI.14: 2017-18 में वित्तीय संस्थाओं द्वारा जुटाए गए संसाधन

(राशि ₹ बिलियन में)

संस्था	जुटाए गए कुल संसाधन				कुल बकाया
	दीर्घावधिक	अल्पावधिक	विदेशी मुद्रा	कुल	
1	2	3	4	5	6
1. सिडबी	79	542	3	624	870
2. नाबार्ड	353	1,350	2	1,705	1,141
3. एनएचबी	42	3,561	2	3,606	527
4. एक्ज़िम बैंक	34	122	184	340	1,042
कुल	**508**	**5,574**	**192**	**6,274**	**3,579**

टिप्पणी : दीर्घावधिक रुपये वाले संसाधनों में बांड /डिबेंचर के माध्यम से हासिल की गई उधारियां शामिल हैं, जबकि अल्पावधिक संसाधनों में सीपी, सावधि जमाएं, आईसीडी, सीडी और मीयादी मुद्रा बाजार से प्राप्त उधारियां शामिल हैं। विदेशी मुद्रा संसाधनों में मुख्य रूप से अंतरराष्ट्रीय बाजार में बांड आदि के द्वारा उधारियां शामिल हैं।
स्रोत : सिडबी, नाबार्ड, एनएचबी और एक्ज़िम बैंक।

इसकी अधिकांश निधियां विदेशी मुद्रा उधार के रूप में थीं (सारणी VI.14)।

VI.49 एआईएफआई द्वारा सीपी, जमाराशि-प्रमाणपत्र और सावधि जमाराशियों के माध्यम से जुटाए गए संसाधनों में 2017-18 के दौरान बढ़ोतरी हुई। इसके परिणामस्वरूप उधार सीमाओं का अपेक्षाकृत अधिक उपयोग हुआ (सारणी VI.15)। एआईएफआई द्वारा मुद्रा बाजार से जुटाए गए कुल संसाधनों में 80 प्रतिशत हिस्सेदारी संयुक्त रूप से नाबार्ड और सिडबी की थी।

3.3 निधियों के स्रोत और उपयोग

VI.50 वर्ष 2017-18 में एआईएफआई द्वारा की गई निधियों की उगाही और उनका विनियोजन एक वर्ष पहले की तुलना में दोगुना हो गया। ऐसा पहले की उधारियों की चुकौती मुख्य रूप से निधियों के बाह्य स्रोतों के माध्यम से किए जाने में हुई तीव्र वृद्धि की वजह से हुआ। निधियों के आंतरिक स्रोतों में बाजार से जुटाए गए संसाधन और सरकार द्वारा किए गए पूंजी अंत: प्रवाह शामिल थे (सारणी VI.16)।

3.4 परिपक्वता तथा उधार एवं ऋण की लागत

VI.51 एक्ज़िम बैंक को छोड़कर सभी एआईएफआई द्वारा की गई रुपया संसाधनों की उगाही की भारित औसत लागत (डब्ल्यूएसी) में वर्ष 2017-18 में गिरावट आई है (चार्ट VI.27.ए)।

सारणी VI.15: मुद्रा बाजार से एआईएफआई द्वारा जुटाए गए संसाधन
(मार्च के अंत में) #

(राशि ₹ बिलियन में)

लिखत	2016-17	2017-18
1	2	3
ए. कुल	**613**	**737**
(i) सावधि जमाराशियां	24	54
(ii) मियादी मुद्रा	22	32
(iii) अंतर- कॉर्पोरेट जमाराशियां	0	0
(iv) जमाराशियों के प्रमाण- पत्र	125	189
(v) वाणिज्यिक पत्र	442	462
मेमो:		
बी. समावेशक सीमा	**742**	**817**
सी. समावेशक सीमा की उपयोगिता * (ए, बी के प्रतिशत के रूप में)	**82.6**	**90.2**

#: एनएचबी के लिए जून अंत तक। *: ए के तहत जुटाए गए संसाधन।
टिप्पणी : एआईएफआई को समग्र 'समावेशक सीमा' के भीतर संसाधनों को जुटाने की अनुमति है, जो अपने नवीनतम लेखापरीक्षित तुलन पत्र के अनुसार संबंधित वित्तीय संस्थानों के निवल स्वाधिकृत निधि (एनओएफ) से जुड़ा हुआ है। समावेशक सीमा पांच लिखतों के लिए लागू होती है : सावधि जमा; मीयादी मुद्रा उधारियां ; जमाराशियां प्रमाणपत्र (सीडी); वाणिज्यिक पत्र (सीपी); और अंतर-कॉर्पोरेट जमाराशियां।
स्रोत : सिडबी, नाबार्ड, एनएचबी और एक्ज़िम बैंक।

सिडबी, एक्ज़िम बैंक और नाबार्ड में रुपया संसाधनों की भारित औसत परिपक्वता (डब्ल्यूएएम) बढ़ी, जबकि एनएचबी में यह घटी (चार्ट VI.27.बी)। इस प्रकार, गिरती दीर्घकालिक औसत लागतों के मुकाबले एआईएफआई ने दीर्घकालिक संसाधन अपेक्षाकृत अधिक जुटाए।

VI.52 वर्ष 2017-18 में एनएचबी को छोड़कर, जिसमें कि मामूली वृद्धि दर्ज की गई, सभी एआईएफआई की

सारणी VI.16: एआईएफआई के स्रोत और निधियों के विनियोजन के स्वरूप

(राशि ₹ बिलियन में)

मद	2016-17	2017-18
1	2	3
ए. निधियों के स्रोत		
(i) आंतरिक	11,331	12,887
	(67.2)	(38.2)
(ii) बाह्य	4,374	19,480
	(26.0)	(57.8)
(iii) अन्य*	1,148	1,325
	(6.8)	(3.9)
कुल (i+ii+iii)	**16,853**	**33,692**
	(100)	(100)
बी. निधियों का विनियोजन		
(i) नवीन विनियोजन	3,175	6,851
	(18.8)	(20.3)
(ii) पिछली उधारियों की चुकौती	2,217	20,982
	(13.2)	(62.3)
(iii) अन्य विनियोजन	11,460	5,859
	(68)	(17.4)
जिसमें से: ब्याज भुगतान	296	322
	(1.8)	(1.0)
कुल (i+ii+iii)	**16,853**	**33,692**
	(100)	(100)

*: इसमें बैंकों और भारतीय रिज़र्व बैंक में धारित नकद और जमा शेष शामिल हैं।
टिप्पणी : कोष्ठक में दिए गए आंकड़े कुल का प्रतिशत हैं।
स्रोत : सिडबी, नाबार्ड, एनएचबी और एक्ज़िम बैंक।

दीर्घावधि मूल उधार दर (पीएलआर) में गिरावट आई। ऐसा मौद्रिक सुगमता के दौर के कारण हुआ क्योंकि इसके परिणामस्वरूप निधियों की लागत घट गई। सिडबी और एक्ज़िम बैंक के पीएलआर क्रमश: उच्चतम और निम्नतम रहे (चार्ट VI.28)।

चार्ट VI.27: एआईएफआई द्वारा जुटाए गए रुपया संसाधनों की भारित औसत लागत और परिपक्वता

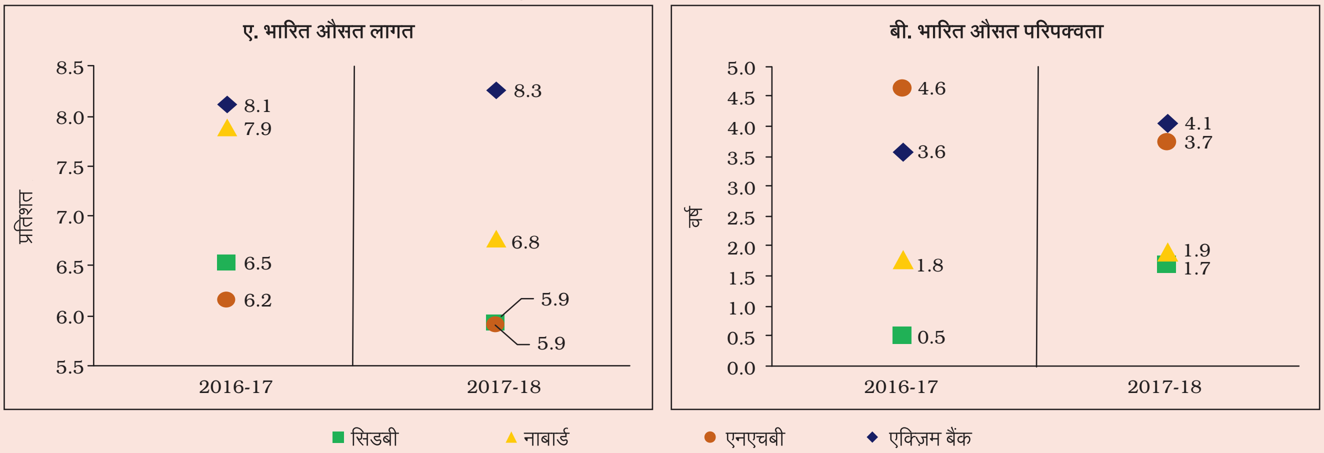

स्रोत : सिडबी, नाबार्ड, एनएचबी और एक्ज़िम बैंक।

चार्ट VI.28: चुनिंदा एआईएफआई की दीर्घकालिक पीएलआर संरचना

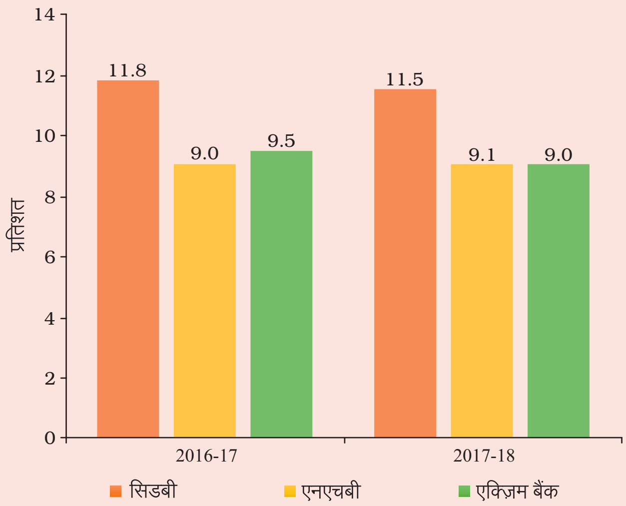

टिप्पणी : एक्ज़िम बैंक आधार दर के आधार पर दीर्घकालिक न्यूनतम ऋण दर का उपयोग कर रहा है।
स्रोत : सिडबी, एनएचबी और एक्ज़िम बैंक।

चार्ट VI.29: एआईएफआई के वित्तीय अनुपात

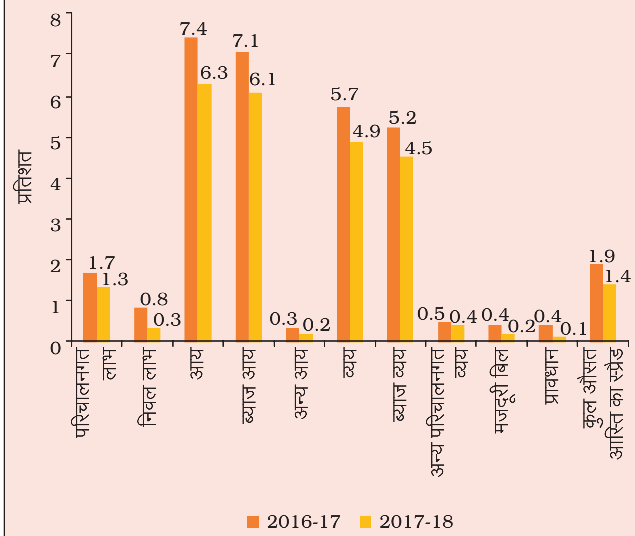

स्रोत : सिडबी, नाबार्ड, एनएचबी और एक्ज़िम बैंक।

3.5 वित्तीय कार्यनिष्पादन

VI.53 वर्ष के दौरान एआईएफआई की आय में मामूली वृद्धि हुई क्योंकि इसमें बाधा डालने वाली ब्याजेतर आय में गिरावट आई। आय की तुलना में व्यय में वृद्धि की दर अधिक रही, जिसके परिणामस्वरूप वर्ष के दौरान एआईएफआई के निवल मुनाफे में कमी आई। वर्ष 2016-17 के मुकाबले 2017-18 में वेतन बिल में कमी आ जाने से परिचालन खर्चों में केवल मामूली वृद्धि दर्ज की गई (सारणी VI.17)।

सारणी VI.17: चुनिंदा एआईएफआई का वित्तीय कार्यनिष्पादन

(राशि ₹ बिलियन में)

मद	2016-17	2017-18	प्रतिशत घट- बढ़	
			2016-17	2017-18
1	2	3	4	5
ए. आय	424	442	7.3	4.2
ए. ब्याज आय	409	430	6.0	5.1
	(96.5)	(97.3)		
बी. गैर-ब्याज आय	15	12	66.7	-19.6
	(3.5)	(2.7)		
बी. व्यय	326	347	8.3	6.3
ए. ब्याज व्यय	298	316	6.8	6.2
	(91.3)	(91.3)		
बी. परिचालनगत व्यय	28	30	27.3	7.3
	(8.7)	(8.7)		
जिसमें से मजदूरी बिल	21	16	40.0	-22.2
सी. कराधान हेतु प्रावधान	26	10	18.2	-62.4
डी. लाभ				
परिचालनगत लाभ	73	94	4.3	29.0
निवल लाभ	47	22	-2.1	-52.8

टिप्पणी : कोष्ठक में दिए गए आंकड़े कुल आय / व्यय के प्रतिशत हैं।
स्रोत : लेखापरीक्षित ओएसएमओएस विवरणियां।

VI.54 एक साल पहले के मुक़ाबले वर्ष 2017-18 में एआईएफआई के सभी वित्तीय अनुपातों में कमी आई (चार्ट VI.29)।

VI.55 वर्ष 2017-18 में एक्ज़िम बैंक नुकसान में रहा क्योंकि उसे उल्लेखनीय रूप से अधिक मात्रा में प्रावधान करने पड़े। परिणाम यह हुआ कि उनका प्रति कर्मचारी का निवल लाभ ऋणात्मक हो गया। नाबार्ड एकमात्र ऐसा संगठन था, जिसने प्रति कर्मचारी निवल लाभ में वृद्धि रिपोर्ट की (सारणी VI.18)। सिडबी और नाबार्ड को छोड़कर, सभी एआईएफआई के परिचालनगत लाभ में कमी आई, जो कार्यशील पूंजी के उपयोग की दक्षता में आई कमी को दर्शाता है।

VI.56 एक्ज़िम बैंक का औसत आरओए, जिसका मान पिछले साल थोड़ा ही धनात्मक था, इस वर्ष ऋणात्मक हो गया। तथापि, सभी एआईएफआई ने 9 प्रतिशत के निर्धारित मानदंड की तुलना में सीआरएआर का अधिक स्तर बनाए रखा है (चार्ट VI.30)।

3.6 सुदृढ़ता संकेतक

VI.57 एआईएफआई के निवल एनपीए और उनके निवल एनपीए अनुपातों की कुल राशियों में 2017-18 के दौरान गिरावट आई, क्योंकि एक्ज़िम बैंक और सिडबी दोनों ने

सारणी VI.18: एआईएफआई के चुनिंदा वित्तीय मानदंड

संस्था	ब्याज आय/औसत कार्यशील निधियां (प्रतिशत)		गैर ब्याज आय/औसत कार्यशील निधियां (प्रतिशत)		परिचालनगत लाभ/ औसत कार्यशील निधियां (प्रतिशत)		प्रति कर्मचारी निवल लाभ (₹ मिलियन में)	
	2017	2018	2017	2018	2017	2018	2017	2018
1	2	3	4	5	6	7	8	9
एक्ज़िम	7.3	7.2	0.7	0.5	2.1	1.7	1.2	-86.0
नाबार्ड	6.8	6.5	0.1	0.1	1.2	1.2	6.0	7.4
एनएचबी	7.4	7.2	0.4	0.1	2.6	2.1	7.2	6.3
सिडबी	7.6	6.9	0.4	0.5	2.2	2.3	9.6	1.3

स्रोत : सिडबी, नाबार्ड, एनएचबी और एक्ज़िम बैंक।

गिरावट दर्ज की (सारणी VI.31)। एक्ज़िम बैंक के एनपीए में तीव्र गिरावट अंशतः किए गए उच्चतर प्रावधानों को दर्शाता है।

VI.58 वर्ष 2017-18 में अवमानक आस्तियों के संदिग्ध आस्तियों की श्रेणी में जाने से एआईएफआई के एनपीए में बढ़ोतरी हुई है। यह मुख्यत: एक्ज़िम बैंक के मामले में नज़र आया- मार्च 2018 के अंत की स्थिति के अनुसार, सभी एआईएफआई की संदिग्ध आस्तियों का यह 94.5 प्रतिशत रहा (चार्ट VI.32)।

4. प्राथमिक व्यापारी

VI.59 31 मार्च 2018 की स्थिति के अनुसार 21 प्राथमिक व्यापारी (पीडी) थे – जिनमें 14 बैंकों के विभागों के रूप में और 7 स्टैंडएलोन पीडी के रूप में परिचालन में थे -जिन्हें भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 45 IA के तहत एनबीएफसी के रूप में पंजीकृत किया गया था।

4.1 पीडी का परिचालन और कार्यनिष्पादन

VI.60 सरकारी दिनांकित प्रतिभूतियों की नीलामी में हामीदार के रूप में भाग लेना पीडी का अनिवार्य दायित्व है। उन्हें खजाना बिलों (टी-बिल) और नकदी प्रबंधन बिलों (सीएमबी) की प्राथमिक नीलामियों में 40 प्रतिशत का न्यूनतम सफलता अनुपात (बोली प्रतिबद्धताओं के अनुपात में स्वीकृत बोलियां) प्राप्त करना आवश्यक है, जिसका मूल्यांकन अर्द्धवार्षिक आधार पर किया जाता है।

VI.61 टी-बिल और सीएमबी की नीलामी के संबंध में सभी पीडी ने न्यूनतम निर्धारित 40 प्रतिशत का सफलता अनुपात हासिल किया। 2017-18 में अपनी न्यूनतम निर्धारित कार्य-निष्पादन सीमा में बेहतर प्रदर्शन करते हुए, पीडी ने वर्ष के

चार्ट VI.30: वित्तीय संस्थाओं के चुनिंदा वित्तीय मानदंड

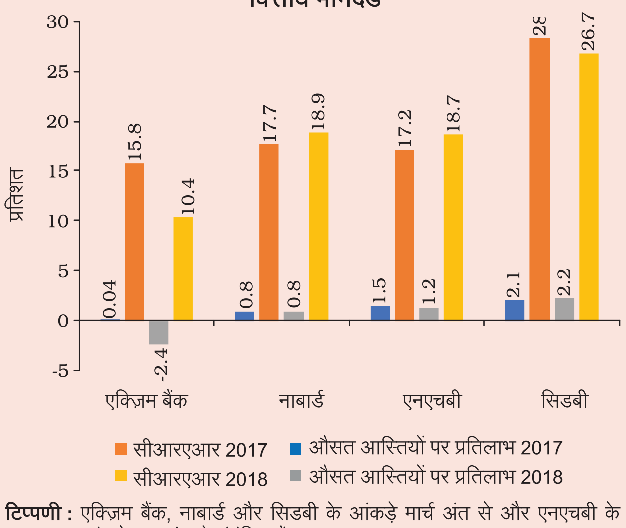

टिप्पणी : एक्ज़िम बैंक, नाबार्ड और सिडबी के आंकड़े मार्च अंत से और एनएचबी के आंकड़े जून अंत से संबंधित हैं।
स्रोत : सिडबी, नाबार्ड, एनएचबी और एक्ज़िम बैंक।

चार्ट VI.31: एआईएफआई के निवल एनपीए

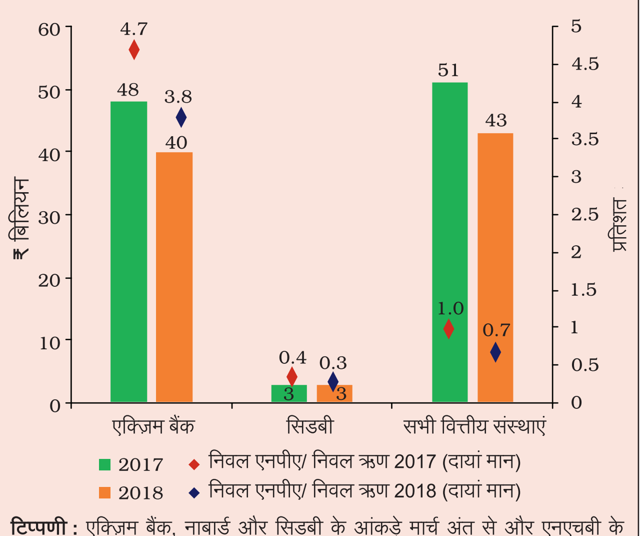

टिप्पणी : एक्ज़िम बैंक, नाबार्ड और सिडबी के आंकड़े मार्च अंत से और एनएचबी के आंकड़े जून अंत से संबंधित हैं।
स्रोत : सिडबी, नाबार्ड, एनएचबी और एक्ज़िम बैंक।

चार्ट VI.32: एआईएफआई के आस्ति वर्गीकरण

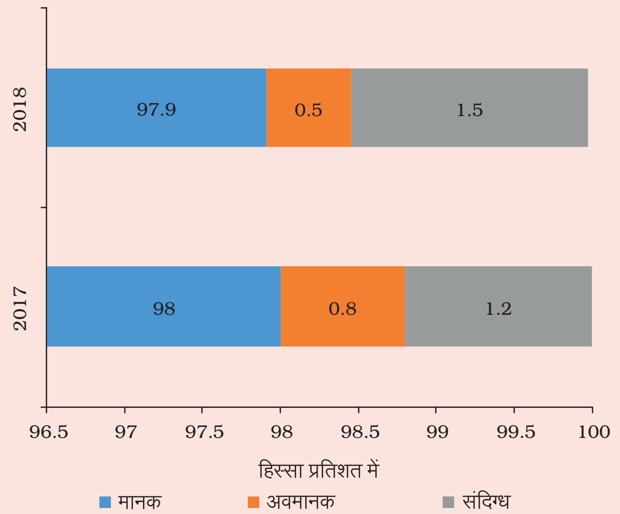

टिप्पणी : एक्ज़िम बैंक, नाबार्ड और सिडबी के आंकड़े मार्च अंत से और एनएचबी के आंकड़े जून अंत से संबंधित हैं।

स्रोत : सिडबी, नाबार्ड, एनएचबी और एक्ज़िम बैंक।

दौरान निर्गम किए गए कुल टी-बिलों/सीएमबी में 66.5 प्रतिशत की हिस्सेदारी हासिल की तथापि, यह पिछले वर्ष के 74.4 प्रतिशत से कम था। 2018-19 की पहली छमाही में पीडी ने निर्गम किए गए कुल टी-बिलों/सीएमबी में 72.1 प्रतिशत की हिस्सेदारी हासिल की।

VI.62 वर्ष 2017-18 के दौरान सरकार ने नीलामियों के माध्यम से ₹5,880 बिलियन अंकित मूल्य की दिनांकित प्रतिभूतियों को जारी किया जो पिछले वर्ष के दौरान ₹5,820 बिलियन से थोड़ा अधिक थीं। दिनांकित प्रतिभूतियों के प्राथमिक निर्गम में पीडी के आवंटन में हिस्सेदारी 2016-17 के 47.5 प्रतिशत की तुलना में 2017-18 के दौरान बढ़कर 53.7 प्रतिशत हो गई। तथापि, 2018-19 की पहली छमाही के दौरान ₹2,760 बिलियन के कुल निर्गम में पीडी को 46.9 प्रतिशत आवंटन हुआ जबकि 2017-18 की पहली छमाही के दौरान यह आवंटन 49.3 प्रतिशत था (सारणी VI.19)।

VI.63 वर्ष 2017-18 के दौरान ₹103 बिलियन राशि के तीन आंशिक न्यागमन के मामले हुए जबकि वर्ष 2016-17 में ₹53 बिलियन राशि के चार न्यागमन हुए थे। इसके अलावा, 2018-19 की पहली छमाही के दौरान ₹80 बिलियन राशि के न्यागमन की चार घटनाएं हुईं। न्यागमन की उच्चतर

सारणी VI.19: प्राथमिक बाजार में पीडी के कार्यनिष्पादन

(राशि ₹ बिलियन में)

मदें	2016-17	2017-18	छ1:2018-19
1	2	3	4
खज़ाना बिल और सीएमबी			
ए. बोली लगाने की प्रतिबद्धता	8,340	10,136	6039
बी. लगाई गई वास्तविक बोली	32,365	49,352	19,650
सी. अनुपात को कवर करने के लिए बोली	3.9	4.9	3.3
डी. स्वीकारी गई बोलियां	4,946	5,772	3,708
ई. सफलता अनुपात (डी)/(ए) (प्रतिशत में)	59.3	56.9	61.4
केंद्र सरकार की दिनांकित प्रतिभूतियां			
एफ. अधिसूचित राशि	5,820	5,880	2,760
जी. लगाई गई वास्तविक बोली	12,573	13,965	5,891
एच. अनुपात को कवर करने के लिए बोली	2.2	2.4	2.1
आई.पीडी की स्वीकारी गई बोलियां	2,763	3,157	1,294
जे. पीडी का हिस्सा (आई)/(एफ) (प्रतिशत में)	47.5	53.7	46.9

स्रोत : पीडी द्वारा प्रस्तुत विवरणियां।

संभावनाओं के कारण 2017-18 में पीडी को दिया गया हामीदारी कमीशन उल्लेखनीय रूप से बढ़कर ₹613.1 मिलियन हो गया जबकि पिछले वर्ष यह ₹356.6 मिलियन था। परिणामस्वरूप, 2016-17 की तुलना में 2017-18 में हामीदारी कमीशन की औसत दर में वृद्धि हो गई। वर्ष 2018-19 की पहली छमाही में अब तक पीडी को ₹876.3 मिलियन का भुगतान किया जा चुका है (सारणी VI.33)।

चार्ट VI.33: पीडी के हामीदारी कमीशन की औसत दर

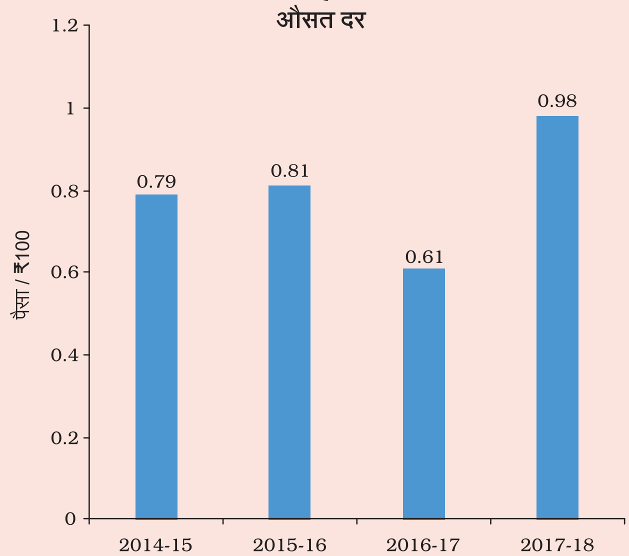

स्रोत : पीडी द्वारा दायर की गई विवरणियां।

VI.64 द्वितीयक बाजार में, सभी पीडी ने दिनांकित जी-सेक और टी-बिलों के लिए आउटराइट और रेपो लेनदेनों में अपेक्षित न्यूनतम वार्षिक कुल कारोबार अनुपात लक्ष्य को अलग-अलग हासिल किया। वर्ष 2018-19 की पहली छमाही के लिए भी सभी पीडी द्वारा अलग–अलग अपेक्षित आवश्यक न्यूनतम वार्षिक कुल कारोबार अनुपात का लक्ष्य हासिल कर लिया गया था।

4.2 *एकल पीडी का कार्य-निष्पादन*

VI.65 स्टैंडएलोन प्राथमिक व्यापारियों (एसपीडी) का द्वितीयक बाजार कारोबार आउटराइट श्रेणी में वर्ष-दर-वर्ष आधार पर घट गया, जबकि 2017-18 के दौरान रेपो सेगमेंट में इसमें मामूली वृद्धि हुई, जो बाजार में अंतर्निहित मंदी दर्शाती है। तथापि, वर्ष के दौरान आउटराइट, रेपो और कुल बाजार कारोबार में एसपीडी की हिस्सेदारी में मामूली बढ़ोतरी हुई। 2018-19 की पहली छमाही के लिए आउटराइट और रेपो सेगमेंट के तहत द्वितीयक बाजार में एसपीडी की हिस्सेदारी क्रमश: 31.7 प्रतिशत और 33.9 प्रतिशत रही। इसी अवधि के दौरान दोनों सेगमेंट में कुल बाजार हिस्सेदारी 33.0 प्रतिशत रही (सारणी VI.20)।

सारणी VI.20: सरकारी प्रतिभूति (जी- सेक) के द्वितीयक बाजार में एसपीडी के कार्यनिष्पादन

(राशि ₹ बिलियन में)

मद	2016-17	2017-18	छ1:2018-19
1	2	3	4
एकमुश्त			
एसपीडी का टर्नओवर	52,365	37,343	13,632
मार्केट टर्नओवर	168,741	113,999	43,045
एसपीडी का हिस्सा (प्रतिशत)	31.0	33.0	32.0
रेपो			
एसपीडी का टर्नओवर	36,586	40,454	22,874
मार्केट टर्नओवर	118,350	127,803	67,499
एसपीडी का हिस्सा (प्रतिशत)	30.9	32.0	34.0
कुल (एकमुश्त + रेपो)			
एसपीडी का टर्नओवर	88,951	77,797	36,507
मार्केट टर्नओवर	287,091	241,802	110,544
एसपीडी का हिस्सा (प्रतिशत)	31.0	32.0	33.0

टिप्पणियां : 1. एकमुश्त के अंतर्गत कुल टर्नओवर खरीद और बिक्री का कुल है।
2. एकमुश्त और रेपो ट्रेड के संबंध में स्टैंडएलोन पीडी के लिए कुल टर्नओवर में दोनों पक्षों की मात्रा, अर्थात खरीद + बिक्री शामिल हैं।
3. रेपो के मामले में, सिर्फ पहले चरण को एसपीडी का कुल टर्नओवर माना जाता है।
4. एकमुश्त और रेपो वॉल्यूम दोनो के लिए कुल मार्केट टर्नओवर में स्टैंडएलोन पीडी टर्नओवर शामिल हैं।
स्रोत : भारतीय समाशोधन निगम लिमिटेड।

4.3 *एसपीडी की निधियों के स्रोत और उपयोग*

VI.66 एसपीडी द्वारा उधार के माध्यम से जुटाई गई निधियां 2016-17 की तुलना में तेजी से बढ़कर 2017-18 के दौरान 63.6 प्रतिशत हो गईं। उधारियों में हुई समग्र वृद्धि ने पूंजी में कमी के साथ ही लाभांश वितरण तथा इक्विटी शेयरों के पुनर्खरीद के कारण आरक्षित निधि और अधिशेष में हुई मंद वृद्धि को समायोजित कर दिया। इसलिए, उधारियों का हिस्सा 2016-17 के 83.7 प्रतिशत से बढ़कर 2017-18 में 89.1 प्रतिशत हो गया। 2018-19 की पहली छमाही में भी उधारियां निधियों की महत्वपूर्ण स्रोत बनीं रहीं जो कुल निधीयन का 90 प्रतिशत हिस्सा रहीं। अवधि के दौरान प्रतिभूतित ऋण कुल उधारियों का महत्वपूर्ण घटक रहा (सारणी VI.21)।

4.4 *एसपीडी का वित्तीय कार्यनिष्पादन*

VI.67 बाजार में व्याप्त अनिश्चितता के माहौल में कारोबारी लाभ में तीव्र गिरावट के कारण 2017-18 में एसपीडी के कर-पश्चात (पीएटी) लाभ में उल्लेखनीय कमी आई। सभी सात

सारणी VI.21: एसपीडी की निधियों के स्रोत और नियोजन

(राशि ₹ बिलियन में)

मदें	2016-17	2017-18	छ1:2018-19	2016-17 की तुलना में 2017-18 में प्रतिशत घट- बढ़
1	2	3	4	5
निधियों के स्रोत	312	479	512	53.4
1. पूंजी	15	14	15	-3.5
2. आरक्षित और अधिशेष निधियां	36	37	35	2.0
3. ऋण (ए+बी)	261	427	462	63.6
ए) प्रत्याभूत	154	316	365	105.1
बी) गैर- प्रत्याभूत	107	112	97	4.4
निधियों का नियोजन	312	479	512	53.4
1. अचल आस्तियां	0.4	0.3	0.3	-21.8
2. एचटीएम निवेश (ए+बी)	15	21	72	39.9
ए) सरकारी प्रतिभूतियां	15	21	63	39.9
बी) अन्य	0.02	0.07	9.0	262.5
3. चालू आस्तियां	318	468	462	47.3
4. ऋण और अग्रिम	10	8	17	-15.2
5. चालू देयताएं	-31	19	40	-
6. आस्थगित कर	-0.31	-0.07	0.3	-
7. अन्य	-0.06	-0.02	0.1	-

टिप्पणी : प्रतिशत घटबढ़ में कुछ अंतर हो सकता है क्योंकि निरपेक्ष संख्याओं को ₹ बिलियन में पूर्णांकित लिया गया है।
स्रोत : पीडी द्वारा प्रस्तुत विवरणियां।

एसपीडी ने पिछले वर्ष की तुलना में 2017-18 के दौरान काफी कम लाभ अर्जित किया (परिशिष्ट सारणी VI.7)। इसलिए, उनकी समग्र आय में 27.6 प्रतिशत की कमी आई जबकि ब्याज खर्च में बढ़ोतरी के कारण उनके खर्चों में 8.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसके परिणामस्वरूप उनके निवल लाभ में 75.7 प्रतिशत की कमी आई। 2018-19 की पहली छमाही के दौरान, पीएटी ऋणात्मक रहा (सारणी VI.22)।

VI.68 पीएटी में कमी के साथ ही निवल मालियत पर एसपीडी के प्रतिलाभ में भी 2016-17 की तुलना में 2017-18 में गिरावट आई। इसके अलावा, वर्ष के दौरान आय की तुलना में लागत अनुपात की स्थिति और खराब हो गई जो उनकी परिचालन दक्षता में ह्रास दर्शाता है (सारणी VI.23)।

VI.69 वर्ष 2016-17 बनाम 2017-18 में सभी एसपीडी के संयुक्त सीआरएआर में मामूली गिरावट आई तथापि, यह 15 प्रतिशत की निर्धारित विनियामकीय अपेक्षा से ऊपर रहा। 2018-19 की पहली छमाही के दौरान पूंजी बफर स्थिति सामान्य बनी रही (सारणी VI.34) (परिशिष्ट सारणी VI.8)।

सारणी VI.22: एसपीडी के वित्तीय कार्यनिष्पादन

(राशि ₹ बिलियन में)

मदें	2016-17	2017-18	छ1:2018-19	2016-17 की तुलना में 2017-18 में प्रतिशत घट- बढ़	
				राशि	प्रतिशत
1	2	3	4	5	6
ए. आय (i से iii)	42	30	15	-12	-27.6
(i) ब्याज और छूट	27	30	19	3	9.9
(ii) ट्रेडिंग लाभ	14	-0.02	-4	-14	-
(iii) अन्य आय	1	1	0	0	-
बी. व्यय (i से ii)	24	26	16	2	8.3
(i) ब्याज	21	23	15	2	9.8
(ii) स्थापना और प्रशासनिक लागत सहित अन्य व्यय	3	3	1	0	-
बी. कर कटौती के पहले लाभ	18	5	-1	-13	-74.9
सी. कर कटौती के बाद लाभ	12	3	-1	-9	-75.7

स्रोत : पीडी द्वारा प्रस्तुत विवरणियां।

सारणी VI.23: एसपीडी के वित्तीय संकेतक

(राशि ₹ बिलियन में)

संकेतक	2016-17	2017-18	छ1:2018-19
1	2	3	4
(i) निवल लाभ	12	3	-1
(ii) औसत आस्तियां	444	482	541
(iii) औसत आस्तियों पर प्रतिलाभ (प्रतिशत)	2.6	0.6	-0.2
(iv) निवल मालियत पर प्रतिलाभ (प्रतिशत)	22.8	5.8	-2.2
(v) लागत-आय अनुपात (प्रतिशत)	16.3	37.7	*

टिप्पणी : पीडी द्वारा रिपोर्ट की गई ऋणात्मक आय।
स्रोत : पीडी द्वारा प्रस्तुत विवरणियां।

VI.70 वर्ष 2017-18 के दौरान पीडी ने द्वितीयक बाजार में टी-बिल और सीएमबी की प्राथमिक नीलामियों के संबंध में आउटराइट और रेपो लेनदेन हेतु उनके लिए निर्धारित न्यूनतम सफलता अनुपात प्राप्त किया। न्यागमन में वृद्धि होने के कारण पीडी को भुगतान किए गए औसत हामीदारी कमीशन में वर्ष के दौरान बढ़ोतरी हुई। बाजार में अनिश्चितता का माहौल व्याप्त होने के कारण 2017-18 में एसपीडी के निवल लाभों में, विशेषरूप से उनके कारोबारी लाभों में उल्लेखनीय गिरावट आई। हालांकि, उनकी पूंजी स्थिति अच्छी बनी रही।

चार्ट VI.34: एसपीडी की पूंजी और जोखिम भारित आस्ति की स्थिति

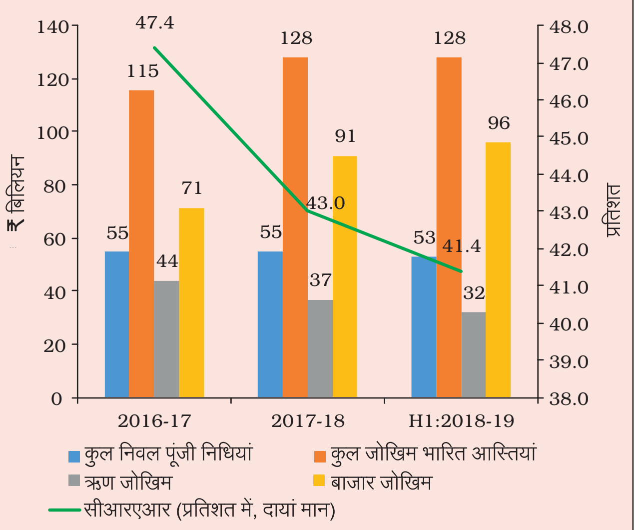

स्रोत : पीडी द्वारा प्रस्तुत विवरणियां।

5. समग्र आकलन

VI.71. एससीबी के संयुक्त तुलन-पत्र के लगभग 15 प्रतिशत के आकार वाले एनबीएफसी क्षेत्र में हाल के वर्षों में काफी तेजी आई है। इसने बैंक से घटते क्रेडिट प्रवाह की स्थितियों में वाणिज्यिक क्षेत्र को निधियों का एक वैकल्पिक स्रोत उपलब्ध कराया है। वर्ष 2017-18 के दौरान विमुद्रीकरण और जीएसटी क्रियान्वयन के प्रभावों से बाहर आकर एनबीएफसी ने लाभप्रदता, आस्ति गुणवत्ता और पूंजी पर्याप्तता सहित अपने वित्तीय कार्य-निष्पादन में सुधार दर्ज किया। एनबीएफसी-एनडी-एसआई को बैंकों के समान ही प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र के ऋणों (पीएसएल) को साथ-साथ शुरू करने की अनुमति देने से यह संभावना बनी है कि बैंकों से कम लागत वाली निधियों के मिलने और बैंकों की तुलना में एनबीएफसी के परिचालनों की कम लागत के फलस्वरूप इस क्षेत्र में सुसंगतता आएगी। हालांकि, वर्ष 2018-19 में कर्ज में हुई चूकों के कारण उत्पन्न अस्थायी आस्ति देयता असंतुलनों ने इस क्षेत्र से जुड़ी चिंताओं को बढ़ा दिया फिर भी, इस क्षेत्र की बुनियादी मजबूती के साथ ही विनियामकीय और पर्यवेक्षी स्तर पर रिज़र्व बैंक की सतत निगरानी इस क्षेत्र की वृद्धि सुनिश्चित करेगी और चलनिधि संबंधी चिंताओं से निपटा जा सकेगा।